वर्ष 24, अंक 181, पृष्ठ 08, मूल्यः 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शुक्रवार 9 जनवरी 2025 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

बांग्लादेश में दीपू चंद्र दास की हत्या का मुख्य आरोपी अरेस्ट,

पुलिस बोली- इसी ने भीड़ को उकसाया

बांग्लादेश

बांग्लादेश के मैमनसिंह जिले में ईशनिंदा के आरोप में जिस कट्टरवादी भीड़ ने हिंदू अल्पसंख्यक नागरिक दीपू चंद्र दास की निर्मम हत्या की थी, बांग्लादेश पुलिस ने उस भीड़ को उकसाने वाले मुख्य आरोपी यासीन अराफत को गिरफ्तार कर लिया है. अधिकारियों के मुताबिक, पूर्व शिक्षक यासीन अराफत ने इस भयानक हमले की प्लानिंग और एग्जीक्यूशन में अहम भूमिका निभाई थी. जिसके बाद देश में अल्पसंख्यकों पर लगातार हो रहे अत्याचार के बीच इस घटना को लेकर बांग्लादेश की वैश्विक आलोचना हो रही है.

दरअसल, पिछले महीने 18 दिसंबर 2025 को बांग्लादेश के मैमनसिंह जिले में कपड़ा फैक्ट्री में काम करने वाले 27 वर्षीय हिंदू अल्पसंख्यक दीपू चंद्र दास को फैक्ट्री के सुपरवाइजर की ओर से जबरन काम से निकाल दिया जाता है और उसे कट्टरवादी भीड़ को सौंप दिया जाता है. जिसके बाद उग्र कट्टरवादी भीड़ दीपू चंद्र दास को बुरी तरह मारते हुए उसकी हत्या कर देती है. फिर उसकी लाश को पेड़ से लटकाकर आग के हवाले कर देती है. वहीं, दीपू की हत्या करने वालों में उसका एक सहकर्मी भी कथित तौर पर शामिल होता है.

दीपू की हत्या के बाद से फरार था मुख्य आरोपी अराफत

बांग्लादेश की पुलिस ने कहा कि मुख्य आरोपी यासीन अराफत शेखाबाड़ी मस्जिद में इमाम के तौर पर काम करता था और पिछले 18 महीनों से मदरसे में पढ़ाता था. हालांकि, दीपू चंद्र दास की हत्या के बाद से यासीन इलाके से फरार हो गया था और पिछले 12 दिनों से छिपा हुआ था. उसने छिपने के लिए राजधानी ढाका के कई मदरसों में रहा. यहां तक कि उसने एक झूठी पहचान के बदौलत सुफा मदरसा में पढ़ाने के काम भी ढूंढ लिया था, लेकिन बांग्लादेश मेट्रोपॉलिटन पुलिस के सहयोग से डेमरा पुलिस ने गुरुवार (8 जनवरी, 2026) को यासीन अराफत को गिरफ्तार कर लिया है.

अधिकारियों के मुताबिक, यासीन ने ही इस भयानक हमले की पूरी साजिश बनाई और भीड़ को उकसाकर हिंदू अल्पसंख्यक युवा दीपू चंद्र दास को निशाना बनाया. एक स्थानीय समुदाय में नेतृत्व के बदौलत उसने कथित तौर पर जल्द ही एक बड़े समूह को इकट्ठा कर लिया, जिसके बाद स्थिति एक बेहद घातक हमले में बदल गई.

खुद दीपू को घसीटकर चौराहे तक ले गया था यासीन- पुलिस

बांग्लादेशी पुलिस ने कहा कि अराफत ने न सिर्फ भीड़ को इस हमले के लिए उकसाया, बल्कि वह खुद दीपू को एक चौराहे तक घसीटता हुआ लेकर गया था, जहां उसे पेड़ पर लटकाया गया और फिर आग लगा दी गई. इस मामले में अभी तक कुल 21 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं, जिसमें से 9 लोगों को अदालत के सामने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है।

बिहार कांग्रेस में टूट? प्रदेश अध्यक्ष की बैठक में नहीं पहुंचे 3 विधायक, JDU ने किया बड़ा दावा

बिहार

बिहार की सियासत में एक बार फिर दलबदल की आहट सुनाई दे रही है. 'मनरेगा बचाओ आंदोलन' की रणनीति बनाने के लिए कांग्रेस द्वारा बुलाई गई एक महत्वपूर्ण बैठक में विधायकों की अनुपस्थिति ने पार्टी के भीतर सब कुछ 'ऑल इज वेल' न होने के संकेत दे दिए हैं. कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के नेतृत्व में पटना स्थित पार्टी कार्यालय में एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई गई थी. इस बैठक का मुख्य उद्देश्य 10 जनवरी से 25 फरवरी तक चलने वाले राज्यव्यापी आंदोलन की रूपरेखा तैयार करना था.

बैठक में पार्टी के सभी सांसदों, जिला अध्यक्षों और विधानसभा चुनाव के उम्मीदवारों को बुलाया गया था, लेकिन सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि कांग्रेस के 6 में से 3 विधायक इस बैठक में नहीं पहुंचे.

'NDA की ओर है कांग्रेस विधायकों का रुझान'

विधायकों की अनुपस्थिति पर कटाक्ष करते हुए जेडीयू प्रवक्ता अभिषेक झा ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा, "कांग्रेस विधायकों का रुझान अब ठऊअ की तरफ है. अगर 14 जनवरी (खरमास) के बाद ये विधायक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में भरोसा जताते हुए हमारे साथ आ जाएं, तो किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए. तेजस्वी यादव को सोचना चाहिए कि वे विपक्ष की भूमिका निभाने में विफल साबित हो रहे हैं."

'पार्टी पूरी तरह एकजुट है'

टूट की खबरों को सिरे से खारिज करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता असित नाथ तिवारी ने कहा कि कुछ विधायकों के न आने का यह मतलब कतई नहीं है ।

पीने के पानी में सीवर की मिलावट, ग्रेटर नोएडा में उल्टी-दस्त से दहशत

ग्रेटर नोएडा

अभी मध्य प्रदेश के इंदौर (भागीरथीपुरा) में गंदा पानी पीने से हुई 20 मौतों का जख्म भरा भी नहीं था कि दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा में प्रशासन की बड़ी लापरवाही सामने आई है. यहां डेल्टा-1 सेक्टर के सी-ब्लॉक में सप्लाई के पानी में सीवर का गंदा पानी मिक्स होने के कारण हड़कंप मच गया है. पिछले तीन दिनों में बच्चे, बूढ़े और महिलाओं समेत 15 से ज्यादा लोग बीमार हो चुके हैं, जिन्हें उल्टी, दस्त और तेज पेट दर्द के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है. बच्चों और बुजुर्गों पर सबसे ज्यादा असर सेक्टर निवासी 80 वर्षीय ओमवती के घर में कोहराम मचा है. उनकी दो पोतियां और एक पोता गंदा पानी पीने से बीमार होकर अस्पताल से लौटे हैं और फिलहाल दवाइयों के सहारे हैं. वहीं, रुक्मणी सिंह भाटी ने बताया कि सोमवार (5 जनवरी) को पाइपलाइन से अचानक पीला और बदबूदार पानी आने लगा, जिसे पीने से उनका पूरा परिवार बीमार हो गया।

छापेमारी में दखल को लेकर ईडी पहुंची हाईकोर्ट

सीएम ममता पर सबूत मिटाने का आरोप

पश्चिम बंगाल

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कोलकाता में चल रहे तलाशी अभियान के दौरान शीर्ष राजनीतिक परामर्श समूह आई-पीएसी के निदेशक प्रतीक जैन के आवास में घुसने और भौतिक दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों सहित "महत्वपूर्ण सबूत" ले जाने का आरोप लगाया। ईडी ने एक बयान में कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारियों के आने तक उसकी टीम द्वारा तलाशी की कार्यवाही शांतिपूर्ण और पेशेवर तरीके से की जा रही थी। इस मामले में ईडी हाई कोर्ट गई है, जो कल यानी शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई कर सकता है।

ईडी के बयान के अनुसार, बनर्जी प्रतीक जैन के आवासीय परिसर में घुस गईं और भौतिक दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों सहित महत्वपूर्ण सबूत ले गईं। इसके बाद मुख्यमंत्री का काफिला आई-पीएसी के कार्यालय परिसर की ओर बढ़ा, जहां से बनर्जी, उनके सहयोगियों और राज्य पुलिस कर्मियों ने जबरन भौतिक दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक सबूत हटा दिए। ईडी ने कहा कि इन कार्रवाइयों के कारण पीएमएलए (मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम) के तहत चल रही जांच और कार्यवाही में बाधा उत्पन्न हुई है। एजेंसी ने आगे स्पष्ट किया कि "तलाशी साक्ष्य-आधारित है और किसी भी राजनीतिक प्रतिष्ठान को लक्षित नहीं करती है। किसी भी पार्टी कार्यालय की तलाशी नहीं ली गई है।

'वोट नहीं तो अब डेटा चोरी की साजिश'

कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता कुणाल घोष ने गुरुवार को कोलकाता में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के खिलाफ पार्टी कार्यकताओं और नेताओं के साथ विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन ईडी द्वारा आई-पीएसी कार्यालय पर की गई छापेमारी के बाद हुआ। यह घटनाक्रम आई-पीएसी के कोलकाता कार्यालय में हुई एक नाटकीय घटना के बाद सामने आया है, जहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित फर्जी सरकारी नौकरी घोटाले के सिलसिले में छापेमारी की थी।

विरोध प्रदर्शन के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए घोष ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राजनीतिक साजिश का आरोप लगाया और दावा किया कि चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी पार्टी को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है।

अबु आजमी बनाम रईस शेख ने बढ़ाई सपा की मुश्किलें

महाराष्ट्र

महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों से पहले, पार्टी के भीतर नए सिरे से अशांति फैल गई है। समाजवादी पार्टी (एसपी) के विधायक रईस शेख महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आजमी के बीच राजनीतिक घमासान देखने को मिल रहा है। 3 जनवरी की बात है जब रईस शेख ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को पत्र लिखकर अबू आजमी की गतिविधियों पर गंभीर चिंता जताई थी। शेख ने पत्र में आजमी पर जानबूझकर उन्हें परेशान करने और पार्टी में भारी व्यवधान पैदा करने का आरोप लगाया था। अब खबर आ रही है कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का बीएमसी चुनाव प्रचार का प्रस्तावित दौरा रद्द हो गया है। पार्टी के एक पदाधिकारी ने इसकी पुष्टि की है।

अखिलेश को बीते दिनों लिखे गए पत्र में पत्र में रईस शेख ने आरोप लगाया है कि अबू आजमी ने भिवंडी और मुंबई नगर निगम चुनावों में मनमाने ढंग से टिकट वितरण किया है। शेख का दावा है कि आजमी पार्टी कार्यकताओं और संभावित उम्मीदवारों के हितों की अनदेखी करते हुए मनमानी कर रहे हैं। विधायक के अनुसार, इस कुप्रबंधन से "पार्टी सदस्यों में असंतोष पैदा हो रहा है और इन महत्वपूर्ण चुनावों में पार्टी की संभावनाएं धूमिल हो रही हैं। शेख आगे कहते हैं कि आजमी की सार्वजनिक टिप्पणियों ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। पार्टी चुनाव नतीजों के बाद दोनों के बीच की इस खींचतान पर फैसला ले सकती है। समाजवादी पार्टी मुंबई की खास सीटों के अलावा भिवंडी और आसपास के कुछ इलाकों में मजबूत मानी जाती है। पिछले चुनाव में सपा के मुंबई में सात नगरसेवक थे।

30 उपद्रवियों पर पुलिस का शिकंजा, 5 को जेल

नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को तुर्कमान गेट पत्थरबाजी मामले में पांच आरोपियों मोहम्मद कैफ, कासिफ, अरीब, अदनान और समीर की न्यायिक हिरासत 13 दिनों के लिए बढ़ा दी। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) पूजा सुहाग ने सभी आरोपियों को 13 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। आरोपियों को एक दिन की न्यायिक हिरासत के बाद अदालत में पेश किया गया। सभी आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर संबंधित अदालत में शुक्रवार को सुनवाई होगी।

यह घटना बुधवार को तुर्कमान गेट के पास अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान हुई, जब कथित तौर पर पत्थर फेंके गए थे। हिंसा के बाद दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर उसी दिन पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी समीर और अदनान की ओर से अधिवक्ता नदीम खान पेश हुए। अभियुक्त अरीब, कासिफ और कैफ की ओर से अधिवक्ता असद मिर्जा बेग पेश हुए। अधिवक्ता आबिद अहमद द्वारा शीतकालीन वस्त्र उपलब्ध कराने की अनुमति के लिए दायर आवेदन को न्यायिक हिरासत के नियमों के अनुसार न्यायालय ने स्वीकार कर लिया।

यह घटना दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद रामलीला मैदान के निकट फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास एमसीडी द्वारा चलाए गए अतिक्रमण-विरोधी अभियान के दौरान घटी। दिल्ली पुलिस के अनुसार, शांति बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए अमन समिति के सदस्यों और अन्य स्थानीय हितधारकों के साथ कई समन्वय बैठकें आयोजित करने के बाद 7 जनवरी की तड़के अतिक्रमण हटाया गया।

इस बीच, दिल्ली पुलिस ने तुर्कमान गेट से वायरल हुआ पहला सीसीटीवी फुटेज साझा किया, जिसमें घटना के दौरान फेज-ए-इलाही मस्जिद चौक दिखाई दे रहा है। फुटेज में पुलिस के आगे बढ़ने पर नकाबपोश लोग भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। फुटेज में पत्थरबाजों को दूसरी तरफ भागते और पुलिस पर पत्थर फेंकते हुए भी देखा जा सकता है। आज सुबह दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी के तुर्कमान गेट स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान हुई पथराव की घटना से जुड़े 30 लोगों की पहचान की। इलाके में भारी पुलिस बल तैनात था।

हिंदू महिला प्रोफेसर ने AMU प्रशासन पर लगाए भेदभाव के आरोप

अलीगढ़

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी अक्सर अलग-अलग मामलों को लेकर सुर्खियों में रहता है. इस बार विश्वविद्यालय प्रबंधन पर हिंदू महिला प्रोफेसर ने भेदभाव का आरोप लगाया है. बताया जाता है कि महिला हिंदू प्रोफेसर ने अपने ही विभाग के अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं. महिला ने कहा कि उसने अलग-अलग विभागों में इसकी शिकायत की लेकिन मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई. महिला ने इस मामले को कोर्ट में ले जाने की बात कही है.

दरअसल, पूरा मामला अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का है, जहां एक बार फिर एएमयू की हिंदू प्रोफेसर ने अपने ही चेयर पर्सन पर गंभीर आरोप लगाए है. हिंदू महिला प्रोफेसर ने बताया कि चेयरपर्सन लगातार उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है. राजनीति विज्ञान विभाग की वरिष्ठ प्रोफेसर रचना कौशल ने आरोप लगाया है कि वे वर्ष 1998 से केवल हिंदू होने के कारण मानसिक और पेशेवर उत्पीड़न झेल रही हैं.

महिला प्रोफेसर ने विभागाध्यक्ष एवं डीन प्रो. मोहम्मद नफीस अहमद अंसारी पर साम्प्रदायिक टिप्पणियां करने, अधिकारों के दुरुपयोग और भेदभावपूर्ण रवैया का आरोप लगाया है. प्रोफेसर रचना कौशल ने कुलपति को शिकायती पत्र सौंपते हुए ।

उत्तराखंड में कांग्रेस के 'मनरेगा बचाओ' अभियान का ऐलान, विधानसभा का घेराव करेगी पार्टी

देहरादून

देहरादून में कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता को संबोधित किया. इस दौरान प्रदेश कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे. प्रेस वार्ता कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ हुई अहम बैठक के बाद की गई, जिसमें संगठनात्मक रणनीति और आगामी आंदोलनों पर विस्तार से चर्चा हुई. कुमारी शैलजा ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यूपीए सरकार के कार्यकाल में ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के माध्यम से देश के करोड़ों ग्रामीणों को रोजगार का अधिकार दिया गया.

उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के कठिन समय में भी मनरेगा ने गरीब और कमजोर तबके को बड़ी राहत दी और उनकी आर्थिकी को मजबूत करने का काम किया, लेकिन वर्तमान मोदी सरकार ने इस योजना पर लगातार चोट की है और बजट कटौती व भुगतान में देरी कर मजदूरों के हक छीने जा रहे हैं.

आंदोलन कार्यक्रम का शेड्यूल जारी

प्रदेश प्रभारी ने मनरेगा को लेकर एक विस्तृत आंदोलन कार्यक्रम का शेड्यूल भी जारी किया. उन्होंने बताया कि 10 जनवरी को प्रदेश के हर जिले में कांग्रेस की ओर से प्रेस वार्ताएं आयोजित की जाएंगी।

'विकास की रफ्तार' बनाम 'राजनीतिक स्पीडब्रेकर'

मुंबई

मुंबई, जिसे भारत की आर्थिक धड़कन और सपनों की नगरी कहा जाता है, आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। पिछले कुछ वर्षों का राजनीतिक घटनाक्रम यह साफ जाहिर करता है कि मुंबई की प्रगति सीधे तौर पर सत्ता की नीयत और नेतृत्व की कार्यक्षमता से जुड़ी है। अब एक बार फिर विकास के दावों और राजनीतिक बहसों के केंद्र में है। जैसे-जैसे बृहन्मुंबई नगर निगम के चुनाव नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक दल शहर के बुनियादी ढांचे को एक प्रमुख चुनावी हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के समर्थकों का तर्क है कि देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकारों में बड़े प्रोजेक्ट्स को अधिक गति मिली है। उनका कहना है कि जब भी भाजपा-महायुति सत्ता में होती है, मुंबई अपनी पुरानी पहचान 'दौड़ती मुंबई' को सार्थक करती है। वहीं दूसरी तरफ महायुति के नेताओं के अनुसारः सड़कों, मेट्रो कॉरिडोर और कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स में देरी का सीधा असर करोड़ों यात्रियों और व्यापार पर पड़ता है। उनका आरोप है कि पिछली सरकारों के दौरान विकास कार्यों में आई बाधाएं तकनीकी या वित्तीय नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से प्रेरित थीं।

फडणवीस कालः मुंबई के इंफ्रास्ट्रक्चर का स्वर्ण युग

साल 2014 से 2019 के बीच देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार ने मुंबई को आधुनिकता का नया चेहरा दिया। दशकों से फाइलों में दबे प्रोजेक्ट्स जैसे मुंबई मेट्रो नेटवर्क, कोस्टल रोड और अटल सेतु (टळऌछ) को 'रॉकेट गति' से जमीन पर उतारा गया। यह वह दौर था जब मुंबई ने वास्तव में वैश्विक स्तर के इंफ्रास्ट्रक्चर की ओर कदम बढ़ाए।

महाविकास अघाड़ी : विकास पर 'ब्रेक' का दौर

2019 में सत्ता परिवर्तन के बाद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार पर विकास विरोधी होने के गंभीर आरोप लगे। राजनीतिक प्रतिशोध के चलते मेट्रो-3 के आरे कारशेड को रोकने जैसे फैसलों ने न केवल प्रोजेक्ट की लागत 10,000 करोड़ रुपये बढ़ा दी, बल्कि मुंबईकरों के सफर को भी चार साल पीछे धकेल दिया।

ठहराव की नीतिः जल संरक्षण से लेकर मेट्रो तक, हर जनहितकारी कार्य पर 'स्थगन' (र३ं८) देना ही टश्अ की मुख्य नीति बन गई थी। जिस वक्त आम जनता ट्रैफिक और गड्ढों से जूझ रही थी, उस वक्त 'मातोश्री' से केवल प्रोजेक्ट्स में अड़ंगा डालने के निर्देश आ रहे थे।

महायुति की वापसीः फिर पटरी पर लौटी 'विकास एक्सप्रेस'

2022 में एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस की महायुति सरकार ने सत्ता संभालते ही लंबित बाधाओं को दूर किया।

अटल सेतुः रिकॉर्ड समय में देश के सबसे लंबे समुद्री पुल को जनता के लिए खोला गया।

कोस्टल रोडः दक्षिण मुंबई से वर्ली का सफर अब मिनटों का रह गया है।

बुलेट ट्रेन और मेट्रोः जिस बुलेट ट्रेन को 'अवांछित' कहकर नकारा गया था, आज उस पर युद्धस्तर पर काम जारी है।

विकास के दावों की खुली पोल : सहसों में जनता अपने खर्चे से करवा रही नालियों की सफाई

गांव की सरकार बनी अंधदृष्टि एवं बधिर

अखंड भारत संदेश

सहसों। जहां एक ओर केंद्र सरकार से लेकर गांव की सरकार तक विकसित भारत के सपने और विकास के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, वहीं संसदीय क्षेत्र फूलपुर, विधानसभा क्षेत्र फूलपुर और विकासखंड बहादुरपुर के ग्राम पंचायत सहसों में विकास की हकीकत इन दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। गांव में जल निकासी की भयावह समस्या के चलते ग्रामीण अपने निजी खर्च पर बनी पक्की नालियों की सफाई कराने को मजबूर हैं। ग्राम पंचायत सहसों में निर्मित पक्की नालियां लंबे समय से कूड़ा-करकट से भरी पड़ी हैं, जिससे गंदे पानी की निकासी पूरी तरह बाधित हो गई है। नतीजतन सड़कों पर गंदा पानी बह रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों के साथ-साथ राहगीरों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। दुर्गंध और गंदगी से लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि इस गंभीर समस्या को लेकर कई बार ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों, ब्लॉक स्तर के अधिकारियों, क्षेत्रीय विधायक और सांसद तक लिखित एवं मौखिक शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कहीं से भी कोई ठोस कार्रवाई या सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को नहीं मिली है। गांव के राकेश कुमार, अजय कुमार, अनिल प्रकाश, प्रेम कुमार, शिवकुमार सहित अन्य ग्रामीणों ने जताते हुए कहा कि सरकार विकास की बात तो करती है, परन्तु गंवई नेता, जनप्रतिनिधि और ग्राम पंचायत की सरकार आम जनता की मूलभूत समस्याओं से पूरी तरह मुंह मोड़े हुए हैं। नालियों की सफाई और जल निकासी जैसी बुनियादी सुविधा को लेकर ग्राम पंचायत सरकार दृष्टिहीन, मूक और बधिर बनी हुई है।

हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि सहसों ग्राम पंचायत की जनता को आपस में चंदा इकट्ठा कर व्यक्तिगत खर्च से नालियों की सफाई करानी पड़ रही है, ताकि घरों से निकलने वाले गंदे पानी की निकासी हो सके और सड़कों पर जलभराव से कुछ राहत मिल सके।

ग्रामीणों ने मांग की है कि ग्राम पंचायत और संबंधित विभाग तत्काल संज्ञान लेते हुए नालियों की नियमित सफाई और स्थायी जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करे। ताकि आम जनता को इस गंभीर समस्या से निजात मिल सके।

एसबीएस एकेडमी के गेट पर कचरे का अंबार, दुर्गंध से बच्चे बेहाल

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। नगर पंचायत शंकरगढ़ की स्वच्छता व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। मोदीनगर स्थित एसबीएस एकेडमी इंग्लिश मीडियम विद्यालय के मुख्य द्वार के सामने कचरे का ढेर जमा होने से क्षेत्र में भीषण दुर्गंध फैल रही है, जिससे मोहल्ले के लोगों के साथ-साथ विद्यालय में पढ़ने वाले सैकड़ों बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।विद्यालय में कक्षा 1 से 8 तक लगभग 500 बच्चे अध्ययनरत हैं। विद्यालय के प्रबंधक सुरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि मोहल्ले में तैनात सफाई कर्मी पूरे इलाके का कचरा लाकर विद्यालय के गेट के पास खाली जमीन में डाल देते हैं। इस संबंध में नगर पंचायत कार्यालय में दो-तीन बार लिखित व मौखिक शिकायत की गई, बावजूद इसके आज तक कचरे को नहीं हटाया गया।हैरानी की बात यह है कि शंकरगढ़ नगर पंचायत क्षेत्र में एमआरएफ सेंटर (कचरा निस्तारण केंद्र) बना हुआ है, जहां पूरे नगर का कचरा एकत्र कर वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित किया जाना चाहिए। इसके रखरखाव के लिए कई कर्मचारी तैनात हैं और सरकार द्वारा प्रति माह लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, फिर भी कचरे को वहां ले जाने के बजाय मोहल्लों और विद्यालयों के सामने फेंका जा रहा है।मोहल्लेवासियों का कहना है कि कचरे से उठती तेज दुर्गंध के कारण वहां से गुजरना मुश्किल हो गया है। स्थायी रूप से रहने वाले लोगों को हर समय संक्रामक बीमारियों का खतरा बना रहता है, वहीं छोटे-छोटे बच्चों की सेहत पर भी इसका सीधा असर पड़ रहा है।मोहल्ले वासियों के साथ-साथ विद्यालय प्रबंधन ने जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए विद्यालय के गेट के सामने फेंके गए कचरे को तत्काल हटवाने और जिम्मेदार कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

शीतलहर, ठंड ने थाम दी जीवन की रफ्तार, रजाई में भी कांपते रहे लोग

नैनी। नैनी क्षेत्र में शीतलहरी और कड़ाके की ठंड की चपेट में रही। मौसम का यह तीखा मिजाज आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। दिनभर छाई रही ठंड के बाद देर शाम से ही शहर में धुंध फैलने लगी जो रात होते-होते घने कोहरे में तब्दील हो गई। इससे ठंड और गलन में काफी बढ़ोतरी हो गई। ठंड से बचाव के लिए लोग जगह-जगह अलाव जलाकर राहत लेते नजर आए। नैनी स्टेशन, छिवकी स्टेशन, मेवालाल बगिया, सरगम सहित विभिन्न स्थानों पर सड़कों के किनारे अलाव की व्यवस्था की गई थी। सुबह के समय भी घना कोहरा छाया रहा जिससे दृश्यता काफी कम हो गई। सड़कों पर वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा और यातायात की गति धीमी रही। लगातार ठंड और कोहरे के कारण आम जनजीवन प्रभावित रहा।

बाउंड्री वाल तोड़ने से मना करने पर मारा पीटा गया, मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। मऊआइमा इलाके के एक गांव में बाउंड्री वॉल तोडने से मना करने पर मारा पीटा गया और जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम दुल्हेपुर कहली निवासी पप्पू सिंह पुत्र जंब बहादुर का आरोप है कि पड़ोसी उसकी बाउंड्री वॉल को तोड रहे थे। आरोप है कि मना करने पर उसे मारा पीटा और जान से मारने की धमकी दी गई। पप्पू सिंह ने मऊआइमा थाने में तहरीर दे कर समुन्दरा देवी, विनोद कुमार,राज,सपना देवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

भूमि माफियाओं का खूनी तांडव, खेत पर कब्जे को लेकर जानलेवा हमला, परिवार के कई सदस्य गंभीर

प्रयागराज। कौंधियारा थाना क्षेत्र के अकोढ़ा गांव में जमीन हड़पने की नीयत से दबंगों द्वारा किए गए नृशंस हमले से इलाके में दहशत फैल गई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ग्राम अकोढ़ा निवासी कृष्ण बिहारी तिवारी पुत्र मूलचंद्र तिवारी ने थाना प्रभारी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि बुधवार की शाम पड़ोसी गांव सहलोलवा (थाना करछना) के आधा दर्जन से अधिक दबंग एकजुट होकर उनके खेत पर पहुंचे। आरोप है कि हमलावर कटवासा, लाठी-डंडा और लोहे की रॉड लेकर आए थे और गाली-गलौज करते हुए अचानक हमला कर दिया।

शोर सुनकर जब परिजन बचाव में दौड़े तो हमलावरों ने जान से मारने की नीयत से मूलचंद्र तिवारी, राहुल तिवारी, सुग्रीव, बृज बिहारी तिवारी, श्याम बिहारी तिवारी एवं यशोदा देवी को बेरहमी से पीटा। हमले में सभी लोग गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गए। ग्रामीणों के पहुंचने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने जितेंद्र पटेल, श्याम बाबू पटेल, आकाश पटेल, राहुल, बृजेश, जिलाजीत, राजू पटेल तथा एक अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है।

थाना प्रभारी कौंधियारा कुलदीप शर्मा ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी गई है और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

केंद्र सरकार मजदूरों की विरोधी : संजय तिवारी

अखंड भारत संदेश

जंघई। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर प्रतापपुर ब्लॉक कांग्रेस के कार्यकताओं एवं नेताओं ने प्रतापपुर ब्लॉक के पूरेरुदई गांव में गुरुवार को कांग्रेस नेता मधुसूदन पांडेय की अध्यक्षता में बैठक किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रतापपुर विधानसभा से कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी संजय तिवारी ने कहा कि केंद्र सरकार ने मनरेगा कानून में महात्मा गांधी का नाम हटाकर जी राम जी कानून बना दिया, इतना ही नहीं लाभार्थियों को गुमराह करने के लिए इस कानून को गरीब समर्थक बताने के लिए केंद्र सरकार गरीबों से चीटिंग कर रही है। तिवारी ने कहा कि असल में यह ग्रामीण भारत में काम के गारंटी अधिकार को समाप्त करने जा रही है जो उन्हें मनरेगा के तहत पहले मिला हुआ था।बीजेपी सरकार ने ग्रामीण रोजगार के डिमांड ड्रिवन स्वरूप को जान बूझकर कमजोर किया है। काम के कानूनी रूप से लागू होने वाली गारंटी को हटा दिया है और इसका बोझ मनमाने आवंटन और कार्यकारी फसलों पर डाल दिया है यह करोड़ों ग्रामीण मजदूरों की आजीविका पर सीधा हमला है और स्वतंत्र भारत के सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा उपायों में से एक को कमजोर करने की कोशिश है। तिवारी ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के परिपत्र 7/1416 के क्रम में कांग्रेस के लोग अपने जनपद के पार्टी कार्यकताओं चुने हुए प्रतिनिधियों और फ्रंटल संगठनों को आने वाली ग्रामीण सभाओं में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए जुटाए जाएंगे इसी के तहत बैठक आयोजित की जा रही है लोगों तक सच्चाई पहुंचे उसके लिए कांग्रेस के कार्यकर्ता अपनी उपस्थित गांव-गांव तक दर्ज कराएंगे एवं केंद्र की मजदूर विरोधी कानून जी राम जी के विषय में पर्ची बाटेगें। इस अवसर पर आदर्श प्रजापति, राजेश सरोज, अमित द्विवेदी, अनुज द्विवेदी, अरविंद दुबे, अंकित द्विवेदी, त्रिलोकी नाथ गुप्ता, मनोज यादव, विजय कुमार भारतीय, गुलाबचंद यादव, जुनैद अहमद गनी, वीरेंद्र पटेल, प्रेम मौर्य, बबलू गौड़, राकेश भारतीय आदि लोग मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन की रफ्तार पर सवाल !

शुद्ध पेयजल के लिए ग्राम पंचायतों को प्रशिक्षण, लक्ष्य 2024 से खिसककर 2028 तक

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। ग्रामीण इलाकों में शुद्ध पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई जल जीवन मिशन/ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजना की रफ्तार एक बार फिर सवालों के घेरे में है। योजना को जमीन पर उतारने के लिए विकास खंडों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू किया गया है, लेकिन लक्ष्य में लगातार हो रही देरी सरकारी दावों की पोल खोलती नजर आ रही है।गुरुवार को ब्लॉक सभागार शंकरगढ़ में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर रवींद्र कुमार सिंह ने बताया कि प्रधानों, पंचायत सहायकों एवं स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी के तहत बुधवार को जसरा, गुरुवार को शंकरगढ़ और शुक्रवार को चाका ब्लॉक में प्रशिक्षण दिया जाएगा।प्रशिक्षण का उद्देश्य योजना के तकनीकी, प्रशासनिक एवं क्रियान्वयन संबंधी पहलुओं की जानकारी देना है।उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना का मूल लक्ष्य हर गांव तक शुद्ध, सुरक्षित और मानक अनुरूप पेयजल पहुंचाना है। इसके लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में ओवरहेड पानी की टंकी का निर्माण कराया जा रहा है, ताकि नल के माध्यम से नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित की जा सके।हालांकि मास्टर ट्रेनर ने यह भी स्वीकार किया कि यह महत्वाकांक्षी योजना वर्ष 2019 में शुरू हुई थी, जिसे 2024 तक पूरा किया जाना था, लेकिन कार्यों की धीमी प्रगति के चलते लक्ष्य हासिल नहीं हो सका। अब शासन स्तर पर इसे 2028 तक बढ़ा दिया गया है, जो योजना की निगरानी, क्रियान्वयन और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े करता है।कार्यक्रम में एडीओ पंचायत दशरथ लाल यादव, प्रधान संघ अध्यक्ष पुष्पराज सिंह, कामद प्रताप सिंह, ग्राम प्रधान अरविंद सिंह, पंचायत सहायक सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

रविंद्रालय में 11 को मंचित होगा नाटक फरेब-ए-हस्ती

दो शो में दिखेगी रंगमंचीय प्रस्तुति

प्रयागराज। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से बैकस्टेज संस्था द्वारा नाटक ह्यफरेब-ए-हस्तीह्ण का मंचन 11 जनवरी को रविंद्रालय प्रेक्षागृह, जगत तारन गोल्डन जुबली स्कूल में किया जाएगा। नाटक के दो शो आयोजित होंगे, पहला प्रदर्शन शाम 4 बजे और दूसरा 6:30 बजे से होगा। सादिक द्वारा लिखित इस नाटक का निर्देशन प्रवीण शेखर ने किया है। नाटक में संगीत संयोजन अमर सिंह का है, जबकि प्रकाश व्यवस्था की जिम्मेदारी टोनी सिंह ने निभाई है। मंच पर सतीश तिवारी, अमर सिंह, दिलीप श्रीवास्तव, चाहत जायसवाल, उपासना तिवारी, कुमार सानू, दुर्गेश गुप्ता, आयुष केसरवानी, आशुतोष मंजुलशरण, शिखर चंद्रा, आशीष यादव और सत्यवान कश्यप सहित अन्य कलाकार अपने सशक्त अभिनय से दर्शकों को बांधेंगे। प्रस्तुति नियंत्रण का दायित्व आलोक सिंह के पास रहेगा।

बुनियादी शिक्षा की प्रेरणा श्रोत थे बाबू छेदीलाल महाजन : विजय केसरवानी

अखंड भारत संदेश

जसरा। श्री ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कॉलेज जसरा के सभागार में विद्यालय के उप प्रबंधक सतीश कुमार केसरवानी उर्फ चुच्चू भैया ने कहा कि बुनियादी शिक्षा के प्रेरणा स्त्रोत थे बाबू छेदीलाल महाजन। इनका सदैव सादगी भरा जीवन रहा। शिक्षा के क्षेत्र में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही। उक्त बातें विद्यालय के संस्थापक दिवस पर विद्यालय के उप प्रबंधक ने कही। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती तथा बाबू छेदीलाल महाजन के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ हुआ। तत्पश्चात विद्यालय के प्रधानाचार्य डा० योगेंद्र सिंह ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया और विद्यालय की वार्षिक प्रगति आख्या प्रस्तुत की। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों द्वारा सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, भाषण एवं लोक नृत्य आदि रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई। समाजसेवी वीरेंद्र केसरवानी, पोस्ट ऑफिस जसरा के प्रधान अधीक्षक अमन जी ने अपने विचार प्रस्तुत किए।अतिथियों द्वारा मंडल तथा प्रदेश स्तर पर विजयी खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक राम लखन प्रजापति तथा आभार प्रवक्ता सुनील साहू ने व्यक्त किया। उक्त कार्यक्रम में नंद कुमार केसरवानी, राजाबाबू पाठक, राजू केसरवानी, मनोज केसरवानी, गोलू, अमरनाथ गुप्त, अंकुर केसरवानी, विश्वेश्वर मिश्रा, कुलभूषण मिश्रा, अचलेंद्र जायसवाल, चंद्रशेखर, भाई लाल केसरवानी एवं सभी शिक्षक और छात्र गण मौजूद रहे।

ट्रेन की चपेट में आने से आशा कार्यकर्ता की मौत

करछना। यमुनापार के औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत रामपुर करछना रेलवे स्टेशन के पास गुरुवार की सुबह एक महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा रेलवे लाइन ट्रैक पर हुआ, जहां महिला किसी कारणवश ट्रेन की जद में आ गई। घटना की जानकारी होते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई।

ग्रामीणों की सूचना पर स्थानीय पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पहचान कराने का प्रयास शुरू किया। जांच के दौरान मृतका की पहचान चाका ब्लॉक में तैनात आशा कार्यकर्ता विमला देवी के रूप में हुई। वह हथीगन बलापुर, करछना की निवासी थीं। मृतका के पति का नाम राजन धुरिया बताया गया है। पुलिस ने शव को थाने लाकर आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी की और परिजनों को घटना की सूचना दी। औद्योगिक क्षेत्र थाना प्रभारी विपिन कुमार पाल ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। परिजनों से प्राप्त तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी तथा शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

शीतलहर से निपटने को प्रयागराज में प्रशासन सतर्क, 6,369 जरूरतमंदों को बांटे गए कंबल

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कड़ाके की ठंड और शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए जनपद प्रयागराज में जिला प्रशासन ने राहत एवं बचाव के व्यापक इंतजाम किए हैं। माननीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से तथा जिला प्रशासन की रात्रिकालीन भ्रमण टीमों द्वारा अब तक असहाय एवं जरूरतमंद लोगों के बीच 6,369 कंबल वितरित किए जा चुके हैं।शीतलहर से बचाव के उद्देश्य से जनपद में कुल 48 रैन बसेरों का संचालन किया जा रहा है। इनमें नगर निगम के 40 एवं नगर पंचायतों के 08 रैन बसेरे शामिल हैं। इन रैन बसेरों की कुल क्षमता 1,210 व्यक्तियों की है। सभी रैन बसेरों में रजाई, गद्दा, मैट, पेयजल, शौचालय और विद्युत जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे प्रतिदिन बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोग सुरक्षित रूप से रात्रि विश्राम कर सकें। रैन बसेरों में ठहरने वाले प्रत्येक व्यक्ति का विवरण शासन द्वारा उपलब्ध कराए गए आपदा प्रहरी मोबाइल एप्लिकेशन पर प्रतिदिन ऑनलाइन अपलोड किया जा रहा है इसके अतिरिक्त ठंड से राहत के लिए जनपद में कुल 1,037 स्थलों पर अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इनमें नगर निगम क्षेत्र के 715, नगर पंचायतों के 181 तथा तहसीलों के 141 स्थल शामिल हैं। सभी चिन्हित स्थानों पर नियमित रूप से अलाव जलवाए जा रहे हैं, जिनकी जियोटैग फोटो प्रतिदिन आपदा प्रहरी मोबाइल एप्लिकेशन पर अपलोड की जा रही है।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शीतलहर के दौरान किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति को असुविधा न हो, इसके लिए सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रहते हुए लगातार निगरानी और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

झूंसी में तेंदुए का तांडव, 10 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद वन विभाग ने पाया तेंदुए पर पाया काबू, दो घायल

अखंड भारत संदेश

झूंसी। थाना क्षेत्र से के छिबैयां गांव में गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब तेंदुए ने गांव में घुसकर दो लोगों और एक मवेशी को लहूलुहान कर दिया। लगभग 10 घंटे तक चले इस भारी तनाव और रोमांचक रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद, वन विभाग की टीम ने तेंदुए को ट्रेंकुलाइजर गन से बेहोश कर पिंजरे में कैद किया। इसके बाद ही ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

गुरुवार तड़के करीब 4 बजे हुई, जब कछार की तरफ से तेंदुआ गांव की ओर आता दिखा। शोर मचते ही ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर निकल पड़े। जिला पंचायत सदस्य सुरेश यादव के अनुसार, तेंदुआ गांव के बाहर झाड़ियों में छिपा था। जब ग्रामीणों ने उसे भगाने के लिए पत्थर मारे, तो तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया। इस हमले में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। हमले के बाद तेंदुआ पूर्व प्रधान राजकुमार सिंह के घर के पीछे स्थित शेखर सिंह के मकान में घुस गया। खबर फैलते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। थाना प्रभारी झूंसी महेश मिश्रा ने पुलिस बल के साथ मोर्चा संभाला और सुरक्षा के मद्देनजर घेराबंदी की। डीएफओ अरविंद यादव भी ट्रेंकुलाइजर गन व पूरी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। तेंदुए को सुरक्षित पकड़ने के लिए फूलपुर रेंजर लक्ष्मीकांत दुबे कानपुर से विशेषज्ञ डॉ. नासिर को लेकर शाम 4 बजे छिबैयां पहुंचे। घर की खिड़की से डॉ. नासिर ने ट्रेंकुलाइजर गन से दो शॉट फायर किए, जिसके बाद तेंदुआ बेहोश हुआ। अधिकारियों का कहना है तेंदुए को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है। मेडिकल परीक्षण के बाद उसे रानीपुर जंगल चित्रकूट या फिर काशी के चंद्रप्रभा जंगल में छोड़ दिया जाएगा।

विवादों में घिरे सीएचसी अधीक्षक का तबादला कौंधियारा अस्पताल को मिला नया मुखिया

प्रयागराज। कौंधियारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लंबे समय से चल रहे विवादों, शिकायतों और आरोपों के बाद आखिरकार स्वास्थ्य विभाग ने बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। सीएचसी कौंधियारा के अधीक्षक डॉक्टर पंकज कुमार पवन का स्थानांतरण कर उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भीटी, प्रयागराज भेज दिया गया है। उनकी जगह चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर उमेश कुमार को कौंधियारा सीएचसी का नया अधीक्षक नियुक्त किया गया है। इस कार्रवाई को विभागीय दबाव और लगातार मिल रही शिकायतों का परिणाम माना जा रहा है।

स्थानीय लोगों और स्वास्थ्य कर्मियों के अनुसार, डॉक्टर पंकज कुमार पवन की कार्यशैली को लेकर काफी समय से असंतोष बना हुआ था। ग्रामीणों का आरोप है कि उनके कार्यकाल में अस्पताल की व्यवस्थाएं लगातार बदहाल होती चली गईं। मरीजों को समय पर इलाज न मिलना, दवाओं की उपलब्धता में कमी, कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार और प्रशासनिक लापरवाही जैसी शिकायतें आम हो गई थीं। इन मामलों को लेकर कई बार उच्चाधिकारियों से भी शिकायत की गई, लेकिन लंबे समय तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी।

आशा कार्यकताओं ने भी पूर्व अधीक्षक पर गंभीर आरोप लगाए थे। उनका कहना था कि उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जाता था और मान-सम्मान को ठेस पहुंचाई गई। इस मामले में मुकदमा दर्ज होने के बाद विवाद और गहरा गया था। इसके अलावा, विभागीय रिकॉर्ड में भी उनके खिलाफ लापरवाही और अनियमितताओं से जुड़े कई प्रकरण दर्ज बताए जा रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक, कौंधियारा सीएचसी की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर लगातार शिकायतें मिलने के बाद विभाग ने जांच कराई, जिसके आधार पर यह तबादला किया गया। वहीं, नए अधीक्षक डॉक्टर उमेश कुमार से क्षेत्रवासियों और कर्मचारियों को काफी उम्मीदें हैं। लोगों का मानना है कि यदि अस्पताल में अनुशासन, पारदर्शिता और बेहतर प्रबंधन लागू किया गया, तो मरीजों को राहत और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी।

सरकार की जी रामजी योजना गरीब और मजदूर वर्ग के लिए बेहद लाभकारी : प. राम कृष्ण त्रिपाठी

मनरेगा नाम बदलकर जी रामजी किए जाने से विरोधियों के पेट में हो रहा दर्द, केंद्र सरकार ने मजदूरों के रोजगार व आर्थिक मजबूती के लिए लिया है निर्णय

मेजा। केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना का नाम बदलकर विकसित भारत रोजगार गारंटी योजना जी राम जी किए जाने से विपक्ष परेशान है जिस पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा नेता एवं समाजसेवी पंडित रामकृष्ण त्रिपाठी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा नई योजना में मजदूरों को और अधिक रोजगार उपलब्ध करने के दावे के वावजूद कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों में हायतौबा मचा हुआ है। मोदी सरकार ने मनरेगा नाम के परिवर्तन को मंजूरी देते हुए इसके क्रियान्वन के निर्देश जारी कर दिए हैं। श्री त्रिपाठी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने आदेश जारी कर योजना में किए गए बदलाव के बारे में ग्राम सचिवालयों में मजदूरों को जागरूक करने के लिए कहा है। पंचायत के सचिव व प्रधानों द्वारा इस पर काम भी शुरू कर दिया गया है। बताया कि जॉब कार्ड धारकों को अब साल में 100 के बजाय 125 दिन काम की व्यवस्था दी गयी है। इस दौरान ग्राम पंचायत अधिकारियों और ग्राम प्रधानों ने ग्रामीणों व मनरेगा जॉब कार्ड धारकों को योजना की विस्तृत जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि सरकार ने रोजगार गारंटी के दायरे को बढ़ाते हुए अब 125 दिन तक काम उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है,जिससे मजदूरों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और योजना में घर बैठे काम मिलने से मजदूरों के पलायन पर भी कम असर होगा। योजना में संसोधन का सीधा लाभ मजदूरों को मिलेगा। श्री त्रिपाठी ने कहा कि गरीब व मजदूर वर्ग के लिए योजना वेहद लाभकारी है। इस योजना से पंचायत विकास को गति देगी।

ओठगी गौशालाओं में पशुओं के साथ दे रहे ठंड से मारने का निमंत्रण टिन, सेट खाली क्यूँ?

दीपक पाण्डेय

लालापुर। क्षेत्र के ओठगी तरहार गौशालाओं में पशुओं के लिए सरकारी बजट से लाखों खर्च हुआ लेकिन पशु के साथ लापरवाही इस कदर की मानों इस कोई मोह ममता नहीं है जय को पूजनीय का दारजा सदियों से चला आ रहा है लेकिन ओठगी तरहार में बने बड़े में दुर्दशा एक इस कदर है, मानो जान से मारने का निमंत्रण हो जहाँ अक्सर चारे-पानी की कमी, गंदगी, और अपर्याप्त देखभाल के कारण पशु भूख, प्यास और बीमारियों से पीड़ित रहते हैं,वही पे ओठगी तरहार गाँव में बने लाखों की गाऊशाला जो इस तरह लापरवाही की गई है मानो की गाय को ठंड से मारने जैसे का काम किया गया क्षेत्र में कई बार तो मृत पशुओं के शवों का भी ठीक से निस्तारण नहीं होता, जिससे उनकी हालत दयनीय हो जाती है और अधिकारी व जिम्मेदार लोग लापरवाही बरतते हैं, जिससे भ्रष्टाचार और अमानवीयता के आरोप लगते हैं। ताजा मामला लालापुर क्षेत्र के ग्राम सभा ओठगी तरहार का है जहां बने पशु शाला में पशुओं की स्थिति दयनीय है। गौशाला में पशु खुले आसमान के नीचे या पेड़ के नीचे रहने को मजबूर हैं। चारा पानी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण स्थिति और गंभीर है।गुरुवार को मीडिया की टीम जब ग्राम सभा ओड़गी तरहार के गौ शाला पहुँची तो गेट पर ताला बंद मिला।बाउंड्री वाल से देखने पर अंदर की स्थिति बेहद चिंताजनक थी। पशुओं की देखभाल करने वाला वहां कोई भी नहीं था। चारा पानी की व्यवस्था न के बराबर थी। सरकार द्वारा गौवंशो के लिए गौ शाला के नाम पर हर महीने लाखों रुपए खर्च किया जाता है लेकिन सारा धन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है।

खेल ग्रामीण युवाओं की प्रतिभा को आगे बढ़ने का है मजबूत माध्यम : रुचि अभिषेक तिवारी

मेजा के तेंदुआ कला में बीते 2 जनवरी से सभ्य सपोर्टिंग क्रिकेट क्लब के तत्वाधान में संचालित टूर्नामेंट का हुआ समापन

टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में सोनू अलेवन चपरतला की टीम ने ओलंगा कंजासा की टीम को 12 रनों से हराकर खिताब किया अपने नाम

अखंड भारत संदेश

तेंदुआ कला में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करती मु.अ.रुचि तिवारी

मेजा। सभ्य स्पोर्टिंग क्रिकेट क्लब तेंदुआ कला के तत्वाधान में बीते 2 जनवरी से आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट के दसवें सीजन का गुरुवार को भव्य कार्यक्रमों के बीच समापन हुआ। समापन समारोह की मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं शिवसेना प्रदेश सचिव रुचि अभिषेक तिवारी तथा विशिष्ट अतिथि आरए प्लास्टों गुजरात के निदेशक एवं समाजसेवी अनुराग तिवारी तथा समाजसेवी महीप सिंह रहे। समापन समारोह की मुख्य अतिथि रुचि तिवारी ने विजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस दौरान खेल प्रेमियों की भारी भीड़ मौजूद रही। उल्लेखनीय है कि क्रिकेट प्रतियोगिता के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को समारोह में उपस्थित अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। प्रतियोगिता में विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार के रूप में 61 हजार रुपये की जहां धनराशि दी गई वहीं वरिष्ठ समाजसेवी महीप सिंह की ओर से 11 हजार रुपये का अतिरिक्त पुरस्कार प्रदान किया गया। गौरतलब है कि टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला गुरुवार को ओलंगा कंजासा और सोनू अलेवन चपरतला के बीच खेला गया। इसके पूर्व टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सोनू अलेवन चपरतला की टीम 8 ओवर में 78 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। तत्पश्चात लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओलंगा कंजासा की टीम 66 रन पर ही सिमट गई। इस तरह चपरतला ने 12 रन से फाइनल मुकाबला जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। टूर्नामेंट दूर दराज क्षेत्रों तथा आस पास गांवों से आए भारी संख्या में उपस्थित दर्शकों एवं संभ्रांत नागरिकों का आभार जताते हुए अपने संबोधन में मुख्य अतिथि रुचि अभिषेक तिवारी ने कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का मजबूत माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों से ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है और समाज में भाईचारे की भावना मजबूत होती है। उन्होंने आयोजकों को सफल टूर्नामेंट के लिए बधाई देते हुए भविष्य में भी हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

बता दें कि इस रोमांचक क्रिकेट प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने प्रतिभाग किया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों ने शानदार खेल भावना और अनुशासन का परिचय दिया, जिससे दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला।

आयोजन समिति के सदस्य शिवकांत दुबे, सद्दाम हुसैन, नियाज अहमद, आशीष सिंह एवं मोहम्मद मुख्तार ने सफल आयोजन के लिए सभी खिलाड़ियों,अतिथियों सहयोगियों एवं दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया। समापन समारोह के इस अवसर पर इंस्पेक्टर मेजा दीनदयाल सिंह, शेषमणि शुक्ल, मुन्ना सिंह, विकास तिवारी, युवा सेना प्रमुख शशिकांत भारती, सबल तिवारी, रतीश दुबे, संदीप पांडेय, प्रमोद शुक्ल सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं हजारों की संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

अरैल में आयोजित राम कथा में महापौर का स्वागत हुआ

राम कथा के अवसर पर प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी ने भगवान श्रीराम की विधिवत आरती कर पूजा-अर्चना की।

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी भगवान श्रीराम के नाम स्मरण मात्र से समस्त कष्टों से मुक्ति मिलती है। यह विचार भूपेंद्र महाराज जी ने महर्षि आश्रम परिसर, संगम तट, तट अरैल नैनी में आयोजित राम कथा के दौरान व्यक्त किए। यह राम कथा महर्षि महेश योगी आश्रम के अध्यक्ष वेद विद्या मार्तण्ड ब्रह्मचारी गिरीश जी के निर्देशन में संपन्न हो रही है। राम कथा के अवसर पर प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी ने भगवान श्रीराम की विधिवत आरती कर पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम के दौरान आश्रम प्रभारी सुनील श्रीवास्तव एवं आश्रम प्रभारी बसंत दास जी ने महापौर गणेश केसरवानी तथा कथावाचक भूपेंद्र महाराज जी का माल्यार्पण कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पार्षद मयंक यादव, रणविजय सिंह, मुकेश लारा, नरसिंह ऋषि त्रिवेदी, विमल मिश्रा, धीरज तिवारी, द्वारिका तिवारी, जयप्रकाश तिवारी एवं मीडिया प्रभारी संजय श्रीवास्तव सहित अनेक श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। राम कथा के आयोजन से क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण का लाभ उठा रहे हैं।

औद्योगिक क्षेत्र में महिला की ट्रेन से कटकर मौत

नैनी। नैनी औद्योगिक क्षेत्र स्थित रामपुर करछना रेलवे स्टेशन के पास एक महिला की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। मृतका की पहचान विमला देवी के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव की शिनाख्त कर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस के अनुसार विमला देवी पत्नी राजन हथीगन करछना की रहने वाली थीं और ब्लॉक में आशा कार्यकर्ता के पद पर कार्यरत थीं। वह प्रतिदिन अपने कार्य के लिए ब्लॉक जाती थीं। घटना की जानकारी रेलवे प्रशासन को भी दे दी गई है। पुलिस मामले की आधिकारिक पुष्टि करते हुए आगे की जांच में जुटी हुई है। महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस द्वारा परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि यह आत्महत्या का मामला है या दुर्घटना।

पतवां गांव में जल निगम की पाइप टूटी, नहर में बह रहा पानी

जंघई। चौका-बरना मार्ग पर पतवां गांव में जा रही नहर के समीप जल जीवन मिशन की पाइप टूटने के कारण लोगों के घरों में जाने वाला पानी नहर में गिर रहा है। स्थानीय लोगों ने बार बार जल जीवन मिशन के कर्मचारियों, अधिकारियों को अवगत कराया लेकिन कोई ध्यान नही दे रहा जिसके कारण लोगों मे आक्रोश व्याप्त है।

कड़ाके की ठंड ने बढ़ाए लकड़ी के दाम, माघ मेले में श्रद्धालु परेशान

झूंसी। इस समय कड़ाके की ठंड का प्रकोप जारी है। पिछले एक हफ्ते से गिरते तापमान और शीतलहर ने संगम की रेती पर बसे कल्पवासियों और श्रद्धालुओं की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ठंड से बचने के लिए अब अलाव ही एकमात्र सहारा रह गया है, लेकिन बढ़ती मांग का फायदा उठाकर बाजार में सूखी लकड़ी के दामों में भारी उछाल आया है। हैरानी की बात यह है कि जो लकड़ी आम दिनों में 400 रुपये प्रति क्विंटल बिकती थी, उसकी कीमत अब बढ़कर 800 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुँच गई है। लकड़ी के दामों में दोगुने से भी अधिक की इस बढ़ोतरी ने कल्पवासियों के बजट को हिला कर रख दिया है। मेले में आए श्रद्धालुओं का कहना है कि प्रशासन को लकड़ी की कीमतों पर नियंत्रण रखना चाहिए, क्योंकि ठिठुरन भरी रातों में अलाव जलाना उनकी मजबूरी है। मांग बढ़ने और आपूर्ति कम होने की वजह से स्थानीय विक्रेता मनमाने दाम वसूल रहे हैं, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के लोग सबसे अधिक परेशान हैं।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान शिकायतकर्ताओं की सुनी समस्याएं

जिलाधिकारी की पहल से दिव्यांग राम कलप को मिली राहत, ट्राइसाइकिल पाकर खिला चेहरा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। कलेक्ट्रेट कार्यालय के जनसुनवाई कक्ष में आयोजित जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने दूर-दराज से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और अधिकारियों को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में प्रशासन की संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई एक बार फिर देखने को मिली। जनसुनवाई के दौरान दिव्यांग शिकायतकर्ता राम कलप (उम्र 67 वर्ष), निवासी पंडरी जबर (ताला) ने जिलाधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर अपनी व्यथा साझा की। उन्होंने बताया कि वह पैर से दिव्यांग हैं, जिसके कारण उन्हें चलने-फिरने में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। वृद्धावस्था और शारीरिक असमर्थता के चलते दैनिक कार्यों में भी उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है। उन्होंने ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराने की मांग की, जिससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिल सके। जिलाधिकारी ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी को निर्देश दिया कि दिव्यांग वृद्ध को बिना विलंब ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी के निर्देशों का पालन करते हुए शिकायतकर्ता राम कलप को कैम्प कार्यालय परिसर में ट्राइसाइकिल प्रदान की गई। साथ ही कड़ाके की ठंड को ध्यान में रखते हुए उन्हें कंबल भी उपलब्ध कराया गया।ट्राइसाइकिल और कंबल प्राप्त होने पर दिव्यांग राम कलप के चेहरे पर प्रसन्नता साफ झलक रही थी। उन्होंने जिलाधिकारी एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहायता से उनके जीवन में बड़ी राहत मिलेगी और अब उन्हें आने-जाने में काफी सहूलियत होगी। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसमस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा विशेष रूप से दिव्यांग, वृद्ध और असहाय व्यक्तियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए।

आलू की फसल में समय से करें झुलसा रोग का नियन्त्रण-जिला उद्यान अधिकारी

प्रतापगढ़। जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा ने बताया है कि रबी मौसम में आलू की अगेती फसल किसानों के लिए मुनाफे का सौंदा होती है, लेकिन वर्तमान में शीतलहर एवं तापमान के न्यून होने के कारण जरा सी लापरवाही होने के कारण आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ता है। जिन किसानों ने आलू की खेती की है, उन्हें इस समय ठंड बढ़ने के साथ-साथ पाला एवं झुलसा रोग का खतरा सताने लगता है। ऐसे में इस समय पछेती झुलसा रोग का खतरा बढ़ जाता है तथा किसान भाईयों को समय रहते जरूरी बचाव करते हुए फसल का उपचार करने की आवश्यकता है। जिला उद्यान अधिकारी प्रतापगढ़ ने जिले के किसानों को सलाह दी है कि ठंड के मौसम में कई दिनों तक बादलयुक्त मौसम होने के कारण वातावरण में नमी की मात्रा बढ़ जाती है। वातावरण में 80 प्रतिशत से अधिक नमी एवं 10 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच तापक्रम में होने पर आलू में पिछेती झुलसा रोग का खतरा बढ़ जाता है। यदि समय से इसका उपचार न किया जाय तो पूरी फसल खेत में ही झुलस जाती है। इससे उत्पादन में 80 से 90 प्रतिशत तक कमी आ जाती है तथा साथ में इसकी गुणवत्ता प्रभावित होती है। आलू की फसल में यह रोग फाइटोब्योरा नामक फफूंद से होता है। इस रोग में पौधों की पत्तियां सिरे से झुलसने लगती है। प्रभावित पत्तियों पर भूरे एवं काले रंग के धब्बे बनते है जो तीव्र गति से ऊपर की ओर फैलते जाते है। इसमें 3 से 4 दिनों के अन्दर ही सम्पूर्ण फसल नष्ट हो जाती है।रोग के प्रभाव से आलू के कन्दों का आकार छोटा रह जाता है। आलू की अच्छी पैदावार लेने के लिए इस समय पिछेती झुलसा का नियन्त्रण करना बेहद जरूरी है। रोग के नियन्त्रण के लिए किसान भाई मेटालाक्सिल 4 प्रतिशत तथा मैंकोजेब 64 प्रतिशत वाला कम्बीनिशन की दवा को 600 ग्राम के साथ तथा इमिडाक्लोरोपिड़ 17.8 प्रतिशत 150 मिली लीटर को 150 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ की दर से 10-12 दिनों के अन्तराल पर दो छिड़काव करें। साथ ही फसल को पाले से बचाव हेतु खेत में यथा सम्भव नमी बनाए रखें, जिसके लिए नियमित अन्तराल पर हल्की सिंचाई करते रहे या खेत के चारों तरफ धुंआ करें।

वक्फ सम्पत्तियों का विवरण उम्मीद केन्द्रीय पोर्टल पर समयसीमा के भीतर अपलोड कराये

प्रतापगढ़। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारीध्सहायक सर्वे कमिश्नर वक्फ आशीष द्विवेदी ने बताया है कि उम्मीद केन्द्रीय पोर्टल 2025 पर पंजीकृत वक्फ सम्पत्तियों का विवरण अपलोड किये जाने हेतु उ०प्र० वक्फ न्यायाधिकरण लखनऊ के द्वारा पुनः छः माह का समय बढ़ाया गया है, जिसके समादर में उम्मीद केन्द्रीय पोर्टल, 2025 को पुनः वक्फ सम्पत्तियों का विवरण अपलोड किये जाने हेतु खोल दिया गया है तथा मेकर-चेकर-एप्रूवर प्रक्रिया को आसानी से पूरा करने के लिए बोर्ड कार्यालय द्वारा मेकर अर्थात मुतवल्ली हेतु दिनांक 15 फरवरी, चेकर हेतु दिनांक 15 अप्रैल तथा एप्रूवर हेतु दिनांक 05 जून की समयावधि निर्धारित करते हुए उम्मीद केन्द्रीय पोर्टल 2025 पर निर्धारित समय सीमा के भीतर वक्फ बोर्ड के रजिस्टर दफा-37 एवं गजट नोटिफिकेशन के अनुरूप पंजीकृत वक्फ सम्पत्तियों का विवरण अपलोड किये जाने हेतु बोर्ड कार्यालय द्वारा मेकर्स अर्थात मुतवल्लियों को निर्देशित किया गया है।उन्होने जनपद के समस्त मेकर्स अर्थात मुतवल्लियों को सूचित किया जाता है कि गजट नोटिफिकेशन एवं वक्फ बोर्ड का रजिस्टर दफा 37 में पंजीकृत वक्फ सम्पत्तियों का विवरण दिनांक 15.02.2026 अपलोड करायें। वक्फ सम्पत्तियों का विवरण उम्मीद केन्द्रीय पोर्टल, 2025 पर फीड कराये जाने के सम्बन्ध में कार्यालय जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारीध्सहायक सर्वे कमिश्नर वक्फ विकास भवन प्रतापगढ़ में हेल्पडेस्क स्थापित की गयी है जिसमें वक्फ निरीक्षक मो0नं0 6307619413 को डेस्क प्रभारी नामित किया गया है। वक्फ बोर्ड लखनऊ द्वारा नियुक्त मुतवल्लियोंध कोऑर्डिनेटरों को निर्देशित किया जाता है कि बोर्ड के निदेर्शानुसार वक्फ सम्पत्तियों का सम्पूर्ण विवरण उम्मीद केन्द्रीय पोर्टल, 2025 पर समयान्तर्गत फीड कराये।

शीतलहर और कड़ाके की ठंड से जनजीवन अस्त-व्यस्त

पट्टी। तहसील क्षेत्र में शीतलहर और घने कोहरे के चलते कड़ाके की ठंड पड़ रही है। जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। सुबह और देर शाम सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा, जबकि लोग ठंड से बचाव के लिए अलाव और गर्म कपड़ों का सहारा लेते नजर आए।प्रमुख चैराहों और सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था न होने से राहगीरों, मजदूरों और यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिन स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की जानी चाहिए थी, वहां अब तक कोई ठोस इंतजाम नहीं किया गया है।ठंड बढ़ने के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर पर्याप्त व्यवस्था न होने से लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। नागरिकों ने मांग की है कि सार्वजनिक स्थलों और प्रमुख चैराहों पर शीघ्र अलाव की व्यवस्था कराई जाए, ताकि ठंड से राहत मिल सके।बताते चलें कि पट्टी कस्बा व तहसील क्षेत्र के उड़ैयाडीह बाजार, दीवानगंज, रखहा, पृथ्वीगंज बाजार, आसपुर देवसरा, सदहा सहित अन्य क्षेत्रों में भी लोगों ने अलाव जलवाने को लेकर प्रशासन से मांग की है।

सरकारी जमीन पर हो रहा था अवैध कब्जा तहसीलदार ने चलवाया बुलडोजर

अखंड भारत संदेश

कुंडा। सड़क के किनारे करोड़ो रुपए की सरकारी जमीन पर हो रहे अवैध कब्जे की शिकायत पर एसडीएम द्वारा आदेश देने पर तहसीलदार कुंडा ने अवैध रूप से हो रहें कब्जे पर बुल्डोजर चलाकर सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त करा दिया। इस दौरान अवैध कब्जे पर बुलडोजर चलने से अन्य अवैध कब्जेदारों में हड़कंप मचा रहा।

महेशगंज थाना क्षेत्र के नैदी मजरें रायगढ़ के रहने वाले दो सगे भाई शंकर लाल यादव और दयाराम यादव पुत्रगण स्वामी नाथ अपने पड़ोस में स्थित ग्राम पंचायत डीह बलई में स्थित पटना बाजार में डेरवा-कुंडा मार्ग के किनारे स्थित करोड़ो रुपए की सरकारी जमीन गाटा संख्या 849 मि. तथा 917 मि. पर अवैध रुप से कब्जा करके निर्माण कर रहें थें। इस बात की जानकारी क्षेत्रीय लेखपाल सूरज कुमार को हुई तो उन्होंने मामलें की शिकायत एसडीएम कुंडा से की। सरकारी जमीन पर हो रहे अवैध कब्जे को गम्भीरता से लेते हुए एसडीएम ने तहसीलदार कुंडा को अवैध कब्जे को हटवाने का आदेश दिया। गुरुवार को दोपहर में तहसीलदार कुंडा अलख शुक्ला राजस्व और पुलिस टीम के लेकर मौके पर गए और सरकारी जमीन पर हो रहे अवैध रूप से कब्जे को बुलडोजर चलवाकर ध्वस्त करवा दिया। इस दौरान एसओ महेशगंज राधेश्याम, राजस्व निरीक्षक तीर्थ राज पांडेय,लेखपाल हनुमत तिवारी, सूरज कुमार, विजय कुमार, रमाकांत तिवारी सहित कई सारे राजस्व कर्मी मौजूद रहे। इस संबंध में तहसीलदार कुंडा अलख शुक्ल ने कहा कि लेखपाल की शिकायत पर एसडीएम के आदेश पर सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया है।

आवास योजना में अनियमितता का आरोप, वंचित परिवारों ने किया प्रदर्शन

पट्टी। आसपुर देवसरा क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोदलपट्टी व पहलमापुर में मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पात्र परिवारों के चयन में अनियमितता का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। इस संबंध में गांव निवासी रोहित कुमार ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायत में बताया गया है कि ग्राम सभा में अनुसूचित जाति के लगभग दो दर्जन से अधिक ऐसे परिवार हैं, जिनके पास न तो पक्का मकान है और न ही रहने के लिए अपनी भूमि, इसके बावजूद उन्हें योजना का लाभ नहीं दिया गया। आरोप है कि योजना का लाभ अपात्र लोगों को दे दिया गया, जबकि वास्तविक जरूरतमंद परिवार वंचित रह गए।प्रदर्शन में रोहित कुमार, धीरज, सुरेश मौर्य, अमित सिंह, फूलचंद, आलोक, समरनाथ, मनीराम, सुनीता, शिवकुमारी, धनराजी, गामा देवी, गुड्डू, मोतीलाल, रवि गौतम एवं शोभनाथ सहित कई ग्रामीण शामिल रहे।इस संबंध में आसपुर देवसरा खंड विकास अधिकारी आर.पी. सिंह ने बताया कि उन्हें फिलहाल मामले की जानकारी नहीं है। शिकायत पत्र मिलने पर जांच कराकर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अवैध कब्जे को पुलिस ने रोका

प्रतापगढ़। विकासखण्ड सांगीपुर के नरवल निवासी राजू सरोज पुत्र विकास सरोज ने पुलिस से शिकायत की कि चारागाह की जमीन पर कुछ दबंग अवैध रूप से कब्जा करके मिटटी डाल रहे है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार्य रूकवा दिया। प्रभारी निरीक्षक उदयपुर प्रदीप कुमार का कहना है कि मामले की जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

छत पर खेलते समय बिजली की चपेट में आया किशोर

पट्टी। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के अमरगढ़ गांव में बुधवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। गांव निवासी देवी प्रसाद तिवारी उर्फ बबलू का 14 वर्षीय पुत्र कृष्ण छत पर खेल रहा था। इसी दौरान छत के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगते ही किशोर गंभीर रूप से झुलस गया।घटना के बाद परिजन और आसपास के लोग तत्काल मौके पर पहुंचे और घायल किशोर को आनन-फानन में अमरगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया।परिजन बेहतर इलाज के लिए किशोर को सुल्तानपुर लेकर गए हैं, जहां उसका उपचार जारी है। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है, वहीं गांव में भी घटना को लेकर शोक और दहशत का माहौल है।

नो हेलमेट-नो फ्यूल अभियान के तहत वाहनों को चालकों को किया गया जागरूक

प्रतापगढ़। वाहन चालको में जागरूकता के दृष्टिगत नो हेल्मेट, नो फ्यूल अभियान के क्रम में जिला पूर्ति अधिकारी अनुभव त्रिवेदी एवं सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी दिनेश कुमार गुप्ता द्वारा जनपद के विभिन्न पेट्रोल पम्प आउटलेट्स पर जाकर आम जनमानस को हेल्मेट पहनने हेतु जागरूक किया गया, साथ ही जिन पेट्रोल संचालक द्वारा अभियान का अनुपालन नही किया जा रहा है, उसके सम्बंध में मेसर्स बाघराय आटोमोबाइल्स (एडहॉक) सुखपालनगर प्रतापगढ़ को आरोप पत्र निर्गत किया गया है। जिला पूर्ति अधिकारी ने जनपद के समस्त पेट्रोल पम्प संचालकों को निर्देशित किया है कि अपने पेट्रोल पम्प पर ईंधन भरवाने आने वाले आम जनमानस को हेल्मेट पहनने हेतु जागरूक करे, साथ ही साथ जनपद प्रतापगढ़ के समस्त दो पहिया वाहन चालको से अनुरोध किया गया कि वाहन चलाते समय हेल्मेट प्रयोग अवश्य करे।जनपद में ह्नो हेल्मेट, नो फ्यूलह्न के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जन जागरूकता के दृष्टिग्त जिला पूर्ति अधिकारी द्वारा टीम सहित पेट्रोल पम्पों का निरीक्षण किया जा रहा है वहां ईंधन भरवाने हेतु आने वाले सभी वाहन चालको को यह बताया जा रहा है कि आपका जीवन है अनमोल इस लिए वाहन चलाते समय हेल्मेट अवश्य पहनें। पेट्रोल पम्प संचालको को भी वाहन चालको को जागरूक किये जाने के दृष्टिगत सभी पेट्रोल पम्पों पर ह्नो हेल्मेट, नो फ्यूल सम्बंधी होर्डिंग/ बैनर प्रदर्शित करा दिया गया है।

दिव्या कला एवं कौशल प्रदर्शनी का आयोजन 13 जनवरी को

प्रतापगढ़। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी आशीष द्विवेदी ने बताया है कि जनपद में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित राज्य निधि के अन्तर्गत दिनांक 13 जनवरी 2026 को एक दिवसीय श्रीराम वाटिका चिलबिला में पूर्वाह्न 10 बजे से अपरान्ह 5 बजे तक दिव्य कला एवं कौशल प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है जिसमें दिव्यांग बच्चों द्वारा किये गये अविष्कार, उत्पादन एवं अन्य प्रकार की उपलब्धियों से सम्बन्धित पोस्टर चित्रकला विशिष्ट सामग्रियों इत्यादि की प्रदर्शनी लगायी जायेगी। कार्यक्रम को प्रभावी बनाने तथा सामान्य जनमानस में सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार हेतु दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के साथ अन्य विभाग की प्रदर्शनी लगायी जायेगी। उन्होने बताया है कि दिनांक 13 जनवरी को आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग मंत्री नरेन्द्र कश्यप द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा।

दस घरों को नहीं मिल सकी बिजली अंधेरे में जीवन गुजार रहे ग्रामीण

मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल व मौजूदा सांसद से विद्युतीकरण कराएं जाने की मांग

बेलखरनाथ धाम। आजादी के कई वर्ष बीत जाने के बाद भी दस घरों में बिजली आपूर्ति नहीं मिल सकी है। जिससे ग्रामीण अंधेरे में जीवन यापन करने को विवश है।इस मामले में ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल व मौजूदा सांसद तथा विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर विद्युतीकरण कराए जाने के लिए गुहार लगाई है। बेलखरनाथ धाम ब्लाक अंतर्गत गोलापुर गांव निवासी उमाशंकर ,रमाशंकर सहित कई ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल के साथ ही मौजूदा सांसद व विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर मांग की है कि उनके घर के बगल से गई ग्यारह हजार विद्युत लाइन में यदि 10 केवीए का ट्रांसफार्मर व विद्युत पोल दे दिया जाए तो बिजली से वंचित 10 घरों में रोशनी मिल जाएगी।ग्रामीणों का कहना है कि इस मामले में कई बार विद्युत विभाग की उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।इस संबंध में ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल व मौजूदा सांसद एसपी पटेल तथा विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर तत्काल प्रभाव से 10 केवीए का ट्रांसफार्मर व विद्युत पोल लगाए जाने की मांग की है।

ग्राम प्रधान पर गबन का आरोप एडीओ पंचायत ने की जांच

अखंड भारत संदेश

कुंडा। बिहार विकास खंड के काशीपुर डुबकी गांव के शिकायतकर्ता सुरेश गुप्ता ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत करके आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान पुष्पा देवी विकास कार्य नहीं कर रही और सरकारी रुपये का गबन कर रही हैं। इस पर एडीओ पंचायत बिहार के नेतृत्व में एक टीम ने गाँव पहुँचकर जांच की। टीम में अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। एडीओ पंचायत ने बताया कि जांच रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी जाएगी और दोषी पाए जाने पर प्रधान उचित कार्यवाही होगी। ग्रामीणों ने भी शिकायत का समर्थन किया है। पंचायती राज विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच का भरोसा दिया है।

किशोरी के अपहरण का केस

प्रतापगढ़। सांगीपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की बारह वर्षीया किशोरी बीते छह जनवरी को सुबह करीब ग्यारह बजे कहीं गायब हो गयी। खोजबीन के बाद किशोरी का पता न चलने पर पीड़ित पिता ने पुलिस को तहरीर दी है। एसओ राजेन्द्र त्रिपाठी का कहना है कि अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया है।

न्यूज झरोखा

किसान को मिला सम्मान पत्र

बेलखरनाथ धाम। बैगन की अच्छी फसल तैयार करने पर सीडीओ व कृषि निदेशक ने किसान सम्मान दिवस पर किसान को सम्मान प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया है। जिससे ग्रामीणों ने खुशी जताई है। विकासखंड बाबा बेलखरनाथ धाम क्षेत्र के आशापुर अठगवा गांव निवासी सुशील कुमार मिश्र खेती की फसल में तरह तरह की फसल तैयार करते हैं।उनके द्वारा इस बार बैगन की अच्छी पैदावार पर उन्हें किसान सम्मान दिवस पर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त होने पर किसान सम्मान प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया है। हालांकि वह समय समय पर अपने खेतों में केला, सफेद कोहड़ा, टमाटर व बैंगन की खेती करते रहते हैं।इस बार बैगन की अच्छी पैदावार होने पर उन्हें वर्ष 2025, 26 के किसान सम्मान दिवस पर मुख्य विकास अधिकारी एवं उप कृषि निदेशक द्वारा सम्मान प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया है। जिससे ग्रामीणों में खुशी की लहर है।

भारतीय किसान यूनियन ने बैठक कर समस्याओं पर जताया आक्रोश

प्रतापगढ़। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने तहसील मुख्यालय पर बैठक कर विभिन्न समस्याओं का स्थायी समाधान न होने पर आक्रोश जताया। बैठक के बाद किसान यूनियन के पदाधिकारियों व सदस्यों ने एसडीएम को आठ सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। किसान यूनियन वरिष्ठ पदाधिकारी भानु प्रताप सिंह की अध्यक्षता में बुधवार की देर शाम तक चली बैठक में किसानों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा हुई। यूनियन के जिला महासचिव कमलाकांत शुक्ल ने कहा कि आवारा पशुओं से फसलों के नुकसान की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है। वहीं समय से नहरों में पानी न आने तथा खाद व बीज की उपलब्धता समय पर न हो पाने से किसानों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है। बैठक में किसानों से जुड़ी जमीन विवाद की समस्या पर टीम बनाकर स्थलीय निरीक्षण करके निस्तारण कराए जाने में भी हीलाहवाली को लेकर आक्रोश जताया गया है। समस्याओं को लेकर यूनियन ने भानु प्रताप सिंह की अगुवाई में एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा को ज्ञापन सौपा। एसडीएम ने समस्याओं के निस्तारण का भरोसा दिलाया। इस मौके पर जिला संगठन मंत्री गंगाबक्श सिंह, राजकुमारी पटेल, लीलावती सिंह, नीतू गौतम, बाज बहादुर सिंह, नंदलाल तिवारी, राजेन्द्र सिंह, हरीश पटेल, सतीश यादव, सुधाकर विश्वकर्मा, हरिश्चंद्र पाण्डेय, प्रतीक्षा यादव, सुखदेव गुप्ता, हीरालाल रजक आदि मौजूद रहे।

चकमार्ग पर अवैध कब्जे की जिलाधिकारी से शिकायत

प्रतापगढ़। चकमार्ग पर अवैध अतिक्रमण कर रास्ता बाधित करने को लेकर जिलाधिकारी से शिकायत की गयी है। विकासखण्ड लालगंज क्षेत्र के बरीबोझ गांव में आवागमन के लिए चकमार्ग के रास्ते पर खडण्जा लगवाया जा रहा है। गांव के मो0 इस्लाम, अमन वर्मा, शाहीन बानो, जगेसर, नंदलाल, फूलकली, मो0 शकील, राहुल कुमार आदि का आरोप है कि गांव के कुछ लोगों द्वारा चकमार्ग पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर खडण्जा निर्माण में बाधा उत्पन्न किया जा रहा है। ग्रामीणों ने मामले की जांच कराकर चकमार्ग पर खडण्जा निर्माण कार्य पूर्ण कराये जाने की मांग की है।

पट्टी कस्बे में चला सघन चेकिंग अभियान

पट्टी। पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ दीपक भूकर के निर्देश पर गुरुवार दोपहर लगभग दो बजे पट्टी कस्बे में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। माघ मेले को ध्यान में रखते हुए जनपद में बाहर से आने एवं यहां से बाहर जाने वाले वाहनों की गहन जांच की गई।इस दौरान पुलिस टीम द्वारा दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों की सघन चेकिंग की गई। जिन वाहनों के कागजात दुरुस्त नहीं पाए गए, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। चेकिंग अभियान के चलते कस्बे में वाहन चालकों के बीच हड़कंप की स्थिति बनी रही।

आबादी की भूमि पर संचालित राइस मिल पर तहसीलदार ने जड़ा ताला

कुंडा। आबादी की जमीन पर संचालित हो रही राइस मिल पर तहसीलदार ने ताला जड़ दिया। ताला लगाकर उन्होंने अस्थाई रूप से राइस मिल के संचालन पर रोक दिया है। महेशगंज थाना क्षेत्र के नगर पंचायत हीरागंज में लक्ष्मीगंज बाजार में आबादी की जमीन पर राइस मिल संचालित की जा रही है। जिसकी शिकायत लक्ष्मीगंज बाजार के रहने वाले मनोज केसरवानी ने जनसुनवाई एप पर किया था। मामलें को गम्भीरता से लेते हुए गुरुवार को तहसीलदार कुंडा अलख शुक्ल मामलें की जांच करने पहुंचे और उन्होंने आबादी की जमीन पर संचालित हो रही राइस मिल पर ताला लगवा दिया। जिससे राइस मिल के संचालन पर अस्थाई रूप से रोक लग गई। तहसीलदार अलख शुक्ला ने बताया कि राइस मिल संचालक के पास सभी वैध दस्तावेज मौजूद हैं, आबादी की जमीन पर संचालन होने के कारण राइस मिल पर अस्थाई रूप से रोक लगाई गई है। इस दौरान राजस्व निरीक्षक तीर्थ राज पांडेय, लेखपाल संदीप मौर्य, हनुमत तिवारी राजस्वकर्मी मौजूद रहे।

आवारा गोवंश से किसान परेशान, शिकायत के बावजूद नहीं मिला निजात

पट्टी। विकासखंड क्षेत्र के कोटियारामगढ़ गांव में आवारा गोवंश की समस्या से किसान वर्षों से परेशान हैं। आवारा गोवंश किसानों की गेहूं की फसल को लगातार नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिससे किसानों की मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है।किसानों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायत के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी फर्जी रिपोर्ट लगाकर मामले को निस्तारित दिखा रहे हैं।गांव के रहने वाले अरुण कुमार उपाध्याय, अरविंद कुमार पांडे, रामबली पांडे, रामचंद्र पांडेय, प्रभुनाथ पांडे, मानिकचंद उपाध्याय, अक्षय आनंद उपाध्याय, रामफेर गुप्ता, दयाशंकर दुबे सहित अन्य किसानों ने बताया कि आवारा गोवंश खुलेआम खेतों में घूम रहे हैं और रात के समय फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं।किसानों ने प्रशासन से आवारा गोवंश को पकड़वाकर गौशाला भेजने तथा जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में ग्राम प्रधान लालचंद गौतम ने बताया कि कुछ आवारा पशु को गौशाला भिजवाया गया है, बचे हुए पशुओं को गौशाला भिजवाया जाएगा।

शिक्षण संस्थान संदेहास्पद डाटा का मिलान कर 20 जनवरी तक अभिलेख उपलब्ध कराये

प्रतापगढ़। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी आशीष द्विवेदी ने बताया है कि अन्य पिछड़ा वर्ग दशमोत्तर छात्रवृत्तिध्शुल्कप्रतिपूर्ति (कक्षा 11-12) कक्षाओं के छात्रों का संशोधित समय सारिणी जारी की गयी है, दशमोत्तर छात्रवृत्तिध्शुल्कप्रतिपूर्ति का संदेहास्पद डाटा राज्य एन0आई0सी0 लखनऊ द्वारा प्राप्त हुआ है जिसे प्रधानाचार्यध्शिक्षण संस्थाओं को प्रेषित कर दिया गया है। उन्होने बताया है कि समस्त प्रधानाचार्यध्शिक्षण संस्थान संदेहास्पद डाटा का मिलान करते हुये समस्त आवश्यक अभिलेख जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण कार्यालय में दिनांक 20 जनवरी 2026 तक उपलब्ध करा दें। संस्थाओ से प्राप्त अभिलेखों के आधार पर ही संदेहास्पद डाटा को शुद्ध कर लॉक किया जायेगा।

ग्राम प्रधान पर गबन का आरोप, एडीओ पंचायत ने की जांच

कुंडा। बिहार विकास खंड के काशीपुर डुबकी गांव के शिकायतकर्ता सुरेश गुप्ता ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत करके आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान पुष्पा देवी विकास कार्य नहीं कर रही और सरकारी रुपये का गबन कर रही हैं। इस पर एडीओ पंचायत बिहार के नेतृत्व में एक टीम ने गाँव पहुँचकर जांच की। टीम में अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। एडीओ पंचायत ने शिकायतकर्ता का बयान दर्ज किया, स्थलीय निरीक्षण किया और उच्च अधिकारियों को रिपोर्ट भेजकर आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। एडीओ पंचायत ने बताया कि जांच रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी जाएगी और दोषी पाए जाने पर प्रधान उचित कार्यवाही होगी। ग्रामीणों ने भी शिकायत का समर्थन किया है। पंचायती राज विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच का भरोसा दिया है।

वांछित अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पट्टी।आसपुर देवसरा थाना पुलिस को मुखबिर की सूचना पर आसपुर देवसरा पुलिस ने गोवध निवारण अधिनियम एवं पशु क्रूरता अधिनियम से संबंधित एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।थाना अध्यक्ष आसपुर देवसरा विजेंद्र सिंह ने बताया कि थाने पर तैनात उपनिरीक्षक अवधराज यादव द्वारा क्षेत्र में गश्त के दौरान मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने भुवर पुत्र संतराम, निवासी ग्राम डेईडीह धौरहरा, थाना पट्टी को आमापुर तिराहा नहर के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश करने की तैयारी की जा रही है।

शादी के डेढ़ महीने में नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

परिजनों में मचा कोहराम,मायके वालो ने हत्या का लगाया आरोप

अखंड भारत संदेश

महेवाघाट कौशाम्बी। महेवा घाट थाना क्षेत्र में एक नवविवाहिता का शव बुधवार देर रात ससुराल के कमरे में फांसी के फंदे से लटकता हुआ शव मिला है। परिजन उसे जिला अस्पताल मंझनपुर ले गए,जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। नवविवाहिता की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। रायबरेली जनपद के ऊंचाहार की संध्या की शादी 29 नवंबर 2025 को शिव विधान तिवारी निवासी अँधावा थाना महेवाघाट से हुई थी शादी को डेढ़ माह भी नहीं बीता था। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि संध्या घरेलू विवादों को लेकर मानसिक तनाव में रहती थी पति-पत्नी के बीच छोटी-छोटी बातों पर कहासुनी होती रहती थी बुधवार देर रात ससुराल के कमरे में फांसी के फंदे से लटकता हुआ शव मिला है पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने परिजनों और ससुराल पक्ष के बयान दर्ज किए हैं मृतका के मायके पक्ष के लोगों ने दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए हत्या कर शव को फांसी पर लटकाने की आशंका जताई है।

पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कारर्वाई की जाएगी। इस घटना के बाद गांव में सन्नाटा छाया है। नवविवाहिता की असमय मौत से दोनों परिवारों में कोहराम मचा है।

उ.प्र. रोजगार मिशन की जिला कार्यकारी समिति तथा रोजगार सृजन सम्बन्धी कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने उदयन सभागार में उ.प्र. रोजगार मिशन की जिला कार्यकारी समिति तथा रोजगार सृजन सम्बन्धी कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान लक्ष्य 29 के सापेक्ष 14 रोजगार मेले का आयोजन एवं लक्ष्य 48 के सापेक्ष 16 कैरियर काउन्सिलिंग आयोजित पाये जाने पर जिला सेवायोजन अधिकारी को लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा के दौरान उपायुक्त एन.आर.एल.एम. को लक्ष्य 4902 के सापेक्ष समूह गठन में प्रगति लाने तथा उपायुक्त मनरेगा को लक्ष्य के सापेक्ष मानव दिवस सृजन में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं मुख्यमंत्री माटीकला योजना की समीक्षा के दौरान मुख्य विकास अधिकारी से कहा कि लाभार्थियों द्वारा इकाइयों का संचालन किया जा रहा है, या नहीं, इसका सत्यापन करा लिया जाय। उन्होंने प्रधानाध्यापक राजकीय आई.टी.आई. को लक्ष्य 700 के सापेक्ष शत-प्रतिशत रोजगार मेला का आयोजन कराने के निर्देश दिए इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ठंड लगने से अधेड़ की मौत सूचना के बाद भी नहीं पहुंचा लेखपाल

अखंड भारत संदेश

ठंड से बचाव के लिए कई बार अलाव जलवाने की मांग के बाद भी नहीं जलाए गए अलाव

तिल्हापुर मोड़ कौशाम्बी। कौशाम्बी थाना क्षेत्र के आमाकुआं गांव में बुधवार की शाम को ठंड लगने से एक अधेड़ की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। परिजन ने ठंड लगने से मौत होने की आशंका जताई है। घटना के बाद लेखपाल को सूचना दिए जाने के बावजूद समय पर मौके पर न पहुंचने से लेकर ग्रामीणों में नाराजगी देखी गई। जानकारी के मुताबिक आमाकुआं गांव निवासी कामता प्रसाद उम्र 50 वर्ष घर के पास ही गुमटी में गुटखा, पान, नमकीन आदि की दुकान चलाते थे। बुधवार शाम करीब छह बजे वह दुकान पर बैठे थे तभी अचानक उनकी हालत बिगड़ गई और उन्हें उल्टियां होने लगीं। हालत बिगड़ते देख आसपास के लोग मौके पर जुट गए। आनन-फानन में परिजन उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। इसके बाद शव को वापस घर ले आया गया।मृतक की पत्नी रेखा ने ठंड लगने से मौत होने की आशंका जताई है बताया गया कि कामता प्रसाद के तीन बेटे रोजगार के सिलसिले में पुणे में रहते हैं। घटना की सूचना मिलते ही तीनों बेटे घर के लिए रवाना हो गए हैं। उनके आने के बाद शुक्रवार को अंतिम संस्कार किया जाएगा। फिलहाल शव का अंतिम संस्कार नहीं किया गया है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि शिवपूजन यादव ने घटना की सूचना हल्का लेखपाल को दी थी, लेकिन दूसरे दिन तक भी लेखपाल के मौके पर न पहुंचने से ग्रामीणों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों मुकेश कुमार,मनराज,धर्मेंद्र केशरवानी तीरथ निषाद (पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य), रोहित कुमार और मोहित यादव,विवेक त्रिपाठी ने बताया कि ठंड से बचाव के लिए कई जगह अलाव जलवाने की मांग की गई, लेकिन कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई। आरोप है कि जब ग्रामीण स्वयं आग जलाकर तापते हैं तो अधिकारी पक्ष के लोग फोटो खिंचवाकर केवल औपचारिकता निभाते हैं। मामले की जानकारी होने पर कोसम खिराज क्षेत्र के लेखपाल काशी प्रसाद रात में मौके पर पहुंचे और परिजनों से बात कर जानकारी ली। लेखपाल ने बताया कि परिजन शव का पोस्टमार्टम कराने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सूचना उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है लेकिन बिना पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि नहीं हो सकती।

सरकार के कम्बल वितरण योजना में भी बड़ी धांधली

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। कड़ाके के ठंड से बचाव के लिए सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष गरीब कमजोर मजलूम जरूरतमंद लोगों को सरकारी बजट से कंबल वितरण किए जाने का निर्देश दिया जा रहा है लेकिन कंबल वितरण योजना भी जिम्मेदारों के खाने कमाने का साधन बन गई है सूत्र बताते हैं कि एक कंबल की कीमत साढे आठ सौ सरकार द्वारा भेजी जा रही है लेकिन जिम्मेदार अधिकारी द्वारा टेंडर करने के बाद घटिया क्वालिटी के कंबल ठेकेदारों से लिया जा रहा है ठेकेदारों को बढ़िया कम्बल का भुगतान करने के बाद आखिर घटिया कंबल लेकर गरीब कमजोर जरूरतमंद को बांटने के पीछे जिम्मेदारों की क्या मंशा है जो बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। घटिया क्वालिटी के कम्बल वितरण किए जाने से गरीब कमजोर जरूरतमंद लोगों की जरूरत नहीं पूरी हो रही है ठंड उनका पीछा नहीं छोड़ रही है कड़ाके के ठंड में गरीब कमजोर काँप पर हैं उनके पास पहले से गर्म कपड़े नहीं है जिससे कड़ाके की ठंड के चलते वह परेशान हो रहे हैं लेकिन कम्बल वितरण योजना की सफलता के नाम पर अधिकारी ढिंढोरा पीट रहे हैं जबकि ठेकेदार घटिया क्वालिटी का कंबल सप्लाई कर रहे हैं इस वर्ष गरीबों को जो कंबल दिया जा रहा है उसमें उत्तर प्रदेश सरकार का स्टीकर लगाया गया है वितरण किए जा रहे कम्बल की कीमत बाजार में 200 रुपए और 250 रुपए तक है लेकिन सरकारी बजट में इस कम्बल की कीमत साढे आठ सौ ठेकेदारों को भुगतान किया जा रहा है आखिर घटिया क्वालिटी का कंबल ठेकेदार सप्लाई कर रहे हैं तो उनके ऊपर जांच क्यों नहीं कराई जा रही है किस क्वालिटी का कितने वजन का कम्बल सप्लाई करने का ठेकेदारों को ठेका दिया गया है यह जांच का विषय है और

गरीबों को प्रशासन द्वारा दिए जा रहे हैं घटिया क्वालिटी के कम्बल

घटिया क्वालिटी के कम्बल की सप्लाई करने वाले ठेकेदारों पर मुकदमा दर्ज करके उनकी गिरफ्तारी करके सरकारी रकम में भ्रष्टाचार के रकम की वसूली क्यों नहीं हो रही है यह तमाम सवाल कम्बल वितरण योजना में लगे अधिकारियों पर सवाल खड़े कर रहे हैं लोगों ने सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए कम्बल वितरण योजना में घटिया क्वालिटी का कम्बल वितरण कर व्यवस्था का मजाक उड़ाने वाले अधिकारियों और ठेकेदार पर कार्यवाही की मांग की है।

डीएम ने की जल निगम, सिंचाई एवं नलकूप विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा

अखंड भारत संदेश

फर्मों को जल-जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

एक माह के अंदर पाइपलाइन बिछाने के दौरान तोड़ी गई सभी सड़कों की मरम्मत कराने के निर्देश

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने गुरुवार को एन.आई.सी. सभागार में जल निगम, सिंचाई एवं नलकूप विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की बैठक में जिलाधिकारी ने जल-जीवन मिशन के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों की समीक्षा के दौरान ओवरहेड टैंक के निर्माण पाइपलाइन बिछाने कनेक्शन एवं पाइपलाइन बिछाने के दौरान तोड़ी गई सड़कों के मरम्मत में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए फर्मों बाबा एवं जे.एम.सी. को तेजी से प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने फर्म बाबा द्वारा कराए जा रहे कार्यों में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर अधिशासी अभियंता,जल निगम (ग्रामीण) जयपाल सिंह को निर्देशित किया कि फर्म बाबा के विरुद्ध जुर्माना आदि की कार्यवाही सुनिश्चित की जाय। उन्होंने अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) एवं सभी सहायक अभियंता का वेतन रोकने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने फर्मों से कहा कि आगामी एक माह के अंदर पाइपलाइन बिछाने के दौरान तोड़ी गई सभी सड़कों की मरम्मत का कार्य पूर्ण करा लिया जाय। उन्होंने अधिशासी अभियंता एवं फर्मों से कहा कि जिन ग्रामों में पेयजल आपूर्ति हो रही है, उन ग्रामों में निरंतर पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने सिंचाई विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान अधिशासी अभियंता,सिंचाई से कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि नहरों में टेल तक पानी पहुंचे, ताकि किसानों को सिंचाई के लिए परेशान न होना पड़े। उन्होंने आईजीआरएस के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में

लापरवाही पाए जाने पर अधिशासी अभियंता,सिंचाई से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए जिलाधिकारी ने नलकूप विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान सहायक अभियंता से कहा कि यांत्रिक दोष एवं विद्युत दोष के कारण बंद नलकूपों को शीघ्र ठीक कराकर, उनकी क्रिया शीलता सुनिश्चित किया जाय बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

डीएम ने की खाद्य एवं रसद विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा

पूर्ति निरीक्षक कड़ा को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने उदयन सभागार में खाद्य एवं रसद विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान जिलापूर्ति अधिकारी को 03 रिक्त उचित दर दुकानों को नियमानुसार शीघ्र नियुक्ति कराने के निर्देश देते हुए कहा कि दुकान रिक्त होने के एक माह के अन्दर नियुक्ति की कार्यवाही पूर्ण करा लिया जाय। उन्होंने ई.के.वाई.सी. में शत-प्रतिशत प्रगति लाने के निर्देश देते हुए कहा कि पात्र लोगों को राशन कार्ड से लाभान्वित किया जाय, किसी भी स्तर पर शिथिलता न बरती जाय। उन्होंने निर्माणाधीन अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने ग्राम केसारी के निरीक्षण के दौरान पात्र लोगों के राशन कार्ड बनाए जाने के कार्य में लापरवाही पाए जाने पर पूर्ति निरीक्षक कड़ा को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

फैमिली कोर्ट के कोर्ट मुहर्रिर के आतंक से मुकदमा वादी प्रताड़ित

पूरे दिन सिपाही कर रहा वसूली जज के सामने मुकदमा वादी को नहीं होने देते पेश, अकूत संपत्ति का मालिक बना सिपाही भ्रष्टाचार संगठन से जांच कराए जाने की मांग

कौशाम्बी। आम जनता की सुरक्षा व्यवस्था के लिए फैमिली कोर्ट प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय में लगाए गए कोर्ट मुहर्रिर का आतंक इस कदर है कि पूरे दिन मुकदमा वादी से बदतमीजी कर पीड़ित परिवार को परेशान करना उसकी आदत में शामिल हैं वही मुकदमे के अभियुक्तों से दोस्ती कर धन वसूली कर अभियुक्तों को तरह-तरह से सहयोग करने की कोशिश करते हैं अभियुक्त उनके रिश्तेदार से मीठी मीठी बात करने वाला कोर्ट मुहर्रिर पुलिस वदी का रुतबा दिखा करके कोर्ट मुहर्रिर मुकदमा वादी को कोर्ट के अंदर पहुंचने नहीं होने देते हैं मुकदमा बादी को गेट के बाहर रहने की वह नसीहत देते हैं और जिस वादी ने एक भी सवाल उनसे पूछा उसके साथ बदतमीजी करते हैं बात बात पर लोगों को फटकारना उत्तेजित होना और बदतमीजी करना कोर्ट मुहरीर सिपाही की आदत बन गई है जिससे पूरी पुलिस वदी शमर्सार हो रही है। प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय जनपद कौशांबी के कोर्ट मुहर्रिर के आतंक इस कदर बढ़ गई है कि रोज-रोज लोगों को जलालत झेलनी पड़ती है पीड़ितों को परेशानी झेलनी पड़ती है लेकिन पुलिस की वदी पर खड़ा यह जवान लोगों की सुरक्षा की भावना लेकर कम आतंक अत्याचार का पर्याय ज्यादा दिखाई पड़ रहा है पुलिसिया वदी में आतंक करने वाले कोर्ट मुहर्रिर के आतंक अत्याचार वसूली पर रोक लगाए जाने की मांग पीड़ित लोगों ने की है जिससे मुकदमा वादी को राहत मिल सके पुलिस के वदी में मौजूद कोर्ट मुहर्रिर का आतंक इस कदर है कि मुकदमा बादी को यह अभियुक्त समझते हैं मुकदमा वादी को डांटते हैं फटकारते हैं मुकदमा वादी से बदतमीजी करते हैं कोर्ट के अंदर वादी को प्रवेश नहीं करने देते हैं यह अपने को किसी पुलिस अफसर से कम नहीं समझते हैं अभियुक्तों को कोर्ट मुहर्रिर मित्र समझते हैं एकांत में हट के अभियुक्तों और उनके परिजनों से देर तक यह बात करते हैं उन्हें बचाव के रास्ते बताते हैं आखिर अभियुक्तों से एकांत में बात करने का इन्हें कानून में किसने अधिकार दिया है जो बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है कोर्ट मुहर्रिर का यह कारनामा पूरी तरह कानून विरोधी है जिससे पुलिस वदी कलंकित हो रही है कोर्ट मुहर्रिर के इस आतंक पर लोगों ने पुलिस अधीक्षक का ध्यान आकर्षित करते हुए इन्हें दंड दिए जाने की मांग की है।

गौशालाओ में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखने के डीएम ने दिए निर्देश

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल की अध्यक्षता में उदयन सभागार में गोसंरक्षण के सम्बन्ध में जिलास्तरीय अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई।बैठक में जिलाधिकारी ने सभी पशु चिकित्साधिकारियां को नियमित रूप से गौशालाओं का निरीक्षण कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित बनाएं रखने के निर्देश दिए। उन्होंने खण्ड विकास अधिकारियों एवं पशु चिकित्साधिकारियां से गौशालाओं में गोवशों को ठण्ड से बचाव के लिए की गई व्यवस्थाओं-काऊ कोट/बोरा, हैलोजन लाइट, तिरपाल आदि की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित बनाए रखी जाय। इसके साथ ही उन्होंने गौशालाओं में पर्याप्त भूसा-चारा की उपलब्धता एवं सी.सी.टी.वी. की क्रियाशीलता सुनिश्चित रखने के निर्देश देते हुए कहा कि कहीं से भी कोई शिकायत न प्राप्त होने पाए। उन्होंने उप कृषि निदेशक, खण्ड विकास अधिकारी एवं मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को गौशालाओं के लिए चिन्हित चारागाहों में हरे चारे के उत्पादन में प्रगति लाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने की जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की बैठक

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने गुरुवार को उदयन सभागार में जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की बैठक की। जिलाधिकारी ने व्यक्तिगत शौचालयां की रेट्रोफिटिंग के लिए किए जा रहें सर्वे की समीक्षा के दौरान जिला पंचायतराज अधिकारी को अवशेष 340 लाभार्थियों के शौचालयों का सत्यापन कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने व्यक्तिगत शौचालयों के रेट्रोफिटिंग कार्य के लिए अवशेष 29805 को समय से पूर्ण कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने आर.आर.सी. संचालन की समीक्षा के दौरान जिला पंचायतराज अधिकारी को सभी आर.आर.सी. सेन्टर का संचालन सुनिश्चित कराने तथा प्रत्येक आर.आर.सी. सेन्टर पर पंजिका बनवाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने जिला पंचायतराज अधिकारी से कहा कि प्रत्येक ब्लॉक में 05-05 ग्राम पंचायतों को चिन्हित कर, उन ग्राम पंचायतों में कूड़ा गाड़ी (ई-रिक्शा) की व्यवस्था, कामिर्कों की उपलब्धता, ग्राम से निकलने वाले कूड़ा का आंकलन,

आर.आर.सी. सेन्टर का संचालन सुनिश्चित कराने के निर्देश

यूजर चार्ज, आर.आर.सी. सेन्टर पहुँचने वाला कूड़ा का आंकलन पंजिका में दर्ज कराने, विक्रय के लिए कबाड़ी से समन्वय आदि कार्यवाही कराई जाय तथा इस कार्य की नियमित मॉनीटरिंग सुनिश्चित किया जाय। जिलाधिकारी ने आर.आर.सी. सेन्टर के समुचित तरीके से क्रियाशील न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए जिला पंचायराज अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने सामुदायिक शौचालयों के संचालन की स्थिति की समीक्षा के दौरान जिला पंचायतराज अधिकारी से कहा कि सभी सामुदायिक शौचालयों की क्रियाशीलता सुनिश्चित किया जाय तथा निर्धारित समयावधि तक अवश्य खुलें रहें। उन्होंने जीरो पावटी के अन्तर्गत शौचालय विहीन लाभार्थियों को प्राथमिकता के आधार पर आच्छादित करने के भी निर्देश दिए।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

फरियादियों द्वारा प्रस्तुत शिकायती प्राथर्ना पत्रों को एसपी ने ध्यानपूर्वक सुना

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा दिनांक 08.01.2026 को पुलिस कार्यालय में आम जनमानस की समस्याओं के निस्तारण हेतु जनसुनवाई आयोजित की गई इस दौरान उपस्थित फरियादियों द्वारा प्रस्तुत शिकायती प्राथर्ना पत्रों को ध्यानपूर्वक सुना गया तथा संबंधित प्रभारियों को त्वरित एवं निष्पक्ष कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया पुलिस अधीक्षक द्वारा यह निर्देशित किया गया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए ताकि आमजन को शीघ्र राहत मिल सके तथा पुलिस पर जनता का विश्वास और अधिक मजबूत एवं सुदृढ़ हो।

सरकारी जमीन का कब्जा खाली कराने के लिए दौड़ रहे मुन्ना की फरियाद नहीं सुन रहे अधिकारी

कौशांबी। मंझनपुर विकासखंड क्षेत्र के ग्राम सभा पंडीरी के मजरा पट्टी अब्दुल रऊफ गांव की सरकारी जमीन पर 15 वर्ष पहले तमाम लोगों ने कब्जा कर लिया है सरकारी जमीन को सुरक्षित करने के लिए गांव का योगी मुन्ना पासी 15 वर्षों से अधिकारियों की चौखट पर फरियाद कर रहा है लेकिन सरकारी जमीन से कब्जे नहीं हटाए गए हैं गांव के लोगों ने बताया कि रामबली यादव शंकर लाल आदि लोगों ने 15 वर्षों पहले सरकारी जमीन पर मनमानी तरीके से कब्जा कर लिया है तहसील के तत्कालीन अधिकारियों की लापरवाही के चलते सरकारी जमीन पर पक्के मकान बन गए हैं कई सरकारी जमीनों पर कब्जा करने के बाद दबंगों द्वारा खेती की जा रही है सरकारी जमीन की फसल भी बेची जा रही है गांव का दलित योगी मुन्ना बीते 15 वर्षों से हर चौथे दिन तहसीलदार मंझनपुर उप जिला अधिकारी मंझनपुर जिला अधिकारी की चौखट पर शिकायती पत्र देकर सरकारी जमीन खाली करने की मांग कर रहा है अधिकारियों को शिकायती पत्र देने से योगी मुन्ना पासी पर प्राण घातक हमला भी दबंगों ने किया था जिससे मुन्ना पासी का हाथ टूट गया था घायल मुन्ना महीनों अस्पताल में रहा लेकिन तहसील प्रशासन की स्थिति इतनी खराब है कि अभी तक गांव की सरकारी जमीन खाली नहीं हुई है जिससे तहसील के अफसर के कारनामों का अंदाजा लगाया जा सकता है। सरकारी जमीन का कब्जा कब खाली होगा व्यवस्थाओं पर सवाल खड़ा है।

उज्ज्वला योजना के कनेक्शन धारकों का हजारों सिलेंडर डकार गए एजेंसी संचालक

कौशांबी। प्रयागराज के रहने वाले एक नेताजी की गैस एजेंसी कौशांबी जनपद के सराय अकिल थाना क्षेत्र में संचालित हो रही है मोदी सरकार द्वारा उज्ज्वला योजना में निर्धन गरीबों को निशुल्क गैस सिलेंडर दिए जाने का निर्देश दिया गया लेकिन नेताजी की एजेंसी में निर्धन गरीब लोगों को उज्ज्वला योजना में गैस सिलेंडर नहीं मिल सका अभिलेखों में उनके कनेक्शन करने के बाद गैस सिलेंडर निकाल लिया गया और गैस सिलेंडर को बेच करके करोड़ों का घोटाला किया गया बीते कई वर्षों से इलाके के सैकड़ो लोग गैस सिलेंडर के लिए एजेंसी संचालक के आगे पीछे घूम रहे हैं उनके कमर्चारी से गैस सिलेंडर की मांग कर रहे हैं लेकिन नेताजी और उनके कमर्चारियों पर गरीब निर्धन की बातों का कोई असर नहीं पड़ रहा है जिससे कई साल बीत जाने के बाद उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को गैस सिलेंडर नहीं मिल सका है हालांकि गैस सिलेंडर रिफिल भी गरीब कमजोर के नाम पर किए जा रहे हैं और रिफिल के बाद सरकार द्वारा दी जाने वाली अनुदान की राशि भी निर्धन गरीबों के बैंक के खाते तक कई बार पहुंची है। उज्ज्वला योजना में हजारों सिलेंडर के घोटाले का यह मामला बेहद गंभीर है और शासन प्रशासन ने यदि उज्ज्वला योजना में गैस सिलेंडर के घोटाले की जांच कराई तो कई एजेंसी संचालक के भ्रष्ट करना में उजागर होगे उज्ज्वला योजना में घोटाले की कहानी यही नहीं खत्म हो रही है जिले के कई गैस एजेंसी संचालको द्वारा उज्ज्वला योजना के कनेक्शन में गैस चूल्हे का वितरण नहीं किया गया है जिससे तमाम गरीब निर्धन लोगों को उज्ज्वला योजना का गैस सिलेंडर तो मिल गया है लेकिन उनके घर में गैस चूल्हा ना होने से सिलेंडर जलाई नहीं जा सका हैं जिससे सरकार की उज्ज्वला योजना पूरी तरह से बकवास साबित हो रही है उज्ज्वला योजना में गैस सिलेंडर वितरण किए जाने की योजना में तत्कालीन जिला पूर्ति अधिकारी की भी भूमिका बड़े सवालों के घेरे में है इसके साथ-साथ संबंधित गैस एजेंसी कंपनियों की भी भूमिका पर सवाल खड़े हैं लेकिन कई वर्ष बीत जाने के बाद उज्ज्वला योजना में की गई हेरा फेरी की अभी तक शासन प्रशासन ने जांच नहीं कराई है जो बड़ा सवाल है। क्षेत्र के लोगों ने उज्ज्वला योजना में गैस सिलेंडर दिलाए जाने और इस योजना में एजेंसी संचालको द्वारा किए गए भ्रष्टाचार की जांच करके एजेंसी संचालकों पर मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी व एजेंसी को निरस्त कर इनके धोखाधड़ी को उजागर किए जाने की मांग केंद्र प्रदेश सरकार से जिले की आम जनता ने की है।

रोपित किए गए पौधों में जीवित पौधों की गिनती करने के निर्देश

जिलाधिकारी ने की जिला पर्यावरण समिति एवं जिला गंगा समिति की बैठक

जांच हुई तो पौधा रोपण में 200 करोड़ का घोटाला करने वाले आधा दर्जन से अधिक वन विभाग के अधिकारी जाएंगे जेल

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल की अध्यक्षता में उदयन सभागार में जिला पर्यावरण समिति एवं जिला गंगा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने प्रभागीय वनाधिकारी से कहा कि पौधारोपण अभियान के दौरान रोपित पौधों की जीवितता प्रतिशत एवं सुरक्षा का सत्यापन रिपोर्ट सम्बन्धित अधिकारियों से समन्वय कर प्राप्त कर लिया जाय। उन्होंने ग्रामों में ग्रीन चौपाल के आयोजन की स्थिति की समीक्षा के दौरान प्रभागीय वनाधिकारी से कहा कि ग्रीन चौपाल में प्राप्त मुख्य सुझावों को आगामी बैठक में रखा जाय। उन्होंने प्रभागीय वनाधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी, दारानगर-कड़ाधाम से कहा कि गंगा घाटों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए काययोजना बनाकर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाय तथा इस कार्यक्रम में विद्यालयों के बच्चों एवं आमजन को भी शामिल किया जाय। उन्होंने अधिशासी अधिकारी से कहा कि कुबरी घाट पर गंदगी करने वालों के विरूद्ध जुर्माना लगाया जाय।

14 वर्ष में रोपित किए गए पौधों में जीवित पौधे की हकीकत उजागर हुई तो आधा दर्जन डीएफओ जाएंगे जेल

कौशांबी। अखिलेश यादव की सरकार में वर्ष 2012 में शुरू हुआ बृहद पौधारोपण अभियान के अंतर्गत वर्ष 2025 तक 14 वर्षों के बीच कौशांबी की धरती में दो करोड़ से अधिक पौधे सरकारी विभागों द्वारा रोपित किए गए हैं जिसका आंकड़ा सरकारी अभिलेखों में भी दर्ज है लेकिन हकीकत है कि कौशांबी की धरती में 15 प्रतिशत पौधे भी वतर्मान में मौजूद नहीं है सवाल उठता है कि विभागीय अधिकारियों ने पौध रोपण के फजी आंकड़े बनाए हैं या पौधा रोपण के बाद देख रहे के अभाव में रोपित पौधे सूख गए हैं और जीवित नहीं है यह तो बड़ी जांच का विषय है लेकिन डीएम के निर्देश के बाद यदि पौधों के जीवित संख्या की सत्यता से जांच हुई तो पौधा रोपण में 200 करोड़ का घोटाला करने वाले आधा दर्जन से अधिक वन विभाग के अधिकारी जेल जाएंगे।

मछली पकड़ने तालाब में गए युवक की ठंड लगने से मौत से परिजनों में कोहराम

कौशाम्बी। पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के अमीना निवासी बृजलाल उम्र 40 वर्ष पुत्र मंगलदास तालाब में मछली पकड़ने गए युवक की ठंड लगने से मौत हो गई।युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के अमीना गांव निवासी बृजलाल गोराजू बाजार में मछली बेचने के लिए तालाब में मछली पकड़ने गया था। वह लगभग चार घंटे तक ठंडे पानी में रहकर मछली पकड़ता रहा।घर लौटने के बाद वह सो गया। कुछ देर बाद जब परिजनों ने उसे जगाने की कोशिश की और कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो वे उसे तुरंत एक निजी अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।परिजनों का कहना है कि लंबे समय तक ठंडे पानी में रहने के कारण उसे अत्यधिक ठंड लग गई, जिससे उसकी मौत हो गई।बृजलाल अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला था। उसके परिवार में एक बेटा और एक बेटी हैं। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। थाना प्रभारी हरीश तिवारी ने बताया कि गुरुवार को शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बीडीओ. को प्रभावी तरीके से जन-सुनवाई एवं मौके पर जाकर शिकायतों का निस्तारण करने के डीएम ने दिए निर्देश

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने उदयन सभागार में ग्राम्य विकास के कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।जिलाधिकारी ने मनरेगा की समीक्षा के दौरान उपायुक्त मनरेगा को 100 दिवस रोजगार एवं मानव दिवस सृजन में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माणाधीन ऑगनबाड़ी केन्द्रों एवं अन्नपूर्णा भवनों के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान सभी खण्ड विकास अधिकारियां को निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्टीय ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा के दौरान उपायुक्त एन.आर.एल.एम. को समूह गठन, रिवाल्विंग फण्ड, सामुदायिक निवेश निधि एवं कैश क्रेडिट लिंकेज में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को प्रधानमंत्री आवास/मुख्यमंत्री आवास योजना के अधूरे आवासों का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सभी खण्ड विकास अधिकारियों से कहा कि प्रभावी तरीके से जन-सुनवाई किया जाय तथा प्राप्त शिकायतों का निस्तारण मौके पर जाकर भी किया जाय।

सम्पादकीय

बिना मुकदमे के कैद, लोकतंत्र कहां है

बिना मुकदमे के लंबी कैद लोकतंत्र के अस्तित्व पर सवाल उठाती है। इस समय भारत इसी सवाल से दो-चार हो रहा है। यूं तो रोजाना ढेरों प्रसंग ऐसे घटित हो रहे हैं, जिनमें लोकतंत्र को लेकर चिंता उपजती है, ऐसे वक्त में न्यायालय से आए कुछ फैसले आस बंधाते हैं कि सत्ता चाहे अपने स्वार्थ के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों और अधिकारों से समझौता कर ले, लेकिन देश की न्याय व्यवस्था हर हाल में लोकतंत्र की रक्षा करेगी। लेकिन सोमवार को उमर खालिद पर आए फैसले ने फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि देश में लोकतंत्र अब किस हाल में पहुंच गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को छात्र नेताओं उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार कर दिया, जो 2020 के दिल्ली दंगों के मामले में पांच से ज्यादा वर्षों से जेल में बंद हैं। हालांकि कोर्ट ने अन्य पांच सह-आरोपियों - गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को सशर्त जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन.वी. अंजारी की पीठ ने 10 दिसंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। पूरे देश की नजरें सोमवार के फैसले पर थीं। ज्यादातर लोग उम्मीद कर रहे थे कि सभी सात आरोपियों को 5 जनवरी को जमानत मिल जाएगी। लेकिन अदालत ने उमर और शरजील को छोड़कर बाकी को जमानत दे दी। उमर खालिद और शरजील इमाम पर सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि इस मामले में अन्य आरोपियों की तुलना में वे 'अलग स्थिति' में हैं। कोर्ट ने कहा कि मामले के शुरूआती सुबूतों से लगता है कि उमर खालिद और शरजील दंगों की योजना और रणनीति बनाने में शामिल थे। ध्यान देने वाली बात ये है कि उमर खालिद पर अब तक मुकदमा शुरू नहीं हुआ है। यानी चाहे जितने भी गंभीर आरोप हों और उसके लिए सबूत हों, अब तक उन्हें पुष्ट करने की प्रक्रिया शुरू ही नहीं हुई है। जब मुकदमा चलेगा और फैसला आएगा, तब पता चलेगा कि उमर खालिद दोषी थे या नहीं, लेकिन अभी उन्हें बिना दोषसिद्धि के ही पांच साल से ज्यादा की जेल तो भुगतनी पड़ ही गई है।

और ये वो पांच साल हैं, जब व्यक्ति में सबसे अधिक ऊर्जा, रचनात्मकता, सकारात्मकता और सक्रियता होती है। 11 अगस्त 1987 को जन्मे उमर खालिद अभी 38 बरस के ही हैं। पीएचडी करने के बाद वे अपना भविष्य संवार सकते थे। लेकिन पढ़ने के दौरान और उसके बाद भी उन्होंने वंचितों के हक में आवाज उठाना जारी रखा, सरकार को परेशान करने वाले सवाल पूछे, नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ अपनी दलीलें पेश कीं, इस कानून के विरोध में हो रहे प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। और इसके बाद से वो सलाखों में कैद हैं।

2020 से कैद उमर खालिद को एक मामले में अप्रैल 2021 में जमानत मिल गई थी, दूसरे मामले में उनके खिलाफ अनलॉफुल एंड एक्टिविटिज प्रिवेंशन एक्ट यानी यूएपीए के तहत आरोप लगाए गए हैं। इस मामले में अब तक दो अदालतें उनकी जमानत याचिका खारिज कर चुकी हैं।

विश्व पटल पर बालिकाओं का नवयुग: बदली सोच, उभरी शक्ति

-ललित गर्ग-

एक समय था जब दुनिया के बड़े हिस्से में बेटी का जन्म बोझ समझा जाता था। गर्भ में ही उसके जीवन का अंत कर दिया जाता, या जन्म के बाद भेदभाव, उपेक्षा और वंचना उसका भाग्य बनती। सदियों तक चली इस दकियानूसी एवं पुरानपंथी सोच ने समाज, सभ्यता और प्रकृति-तीनों को गहरे घाव दिए। किंतु आज उसी दुनिया में सोच के स्तर पर एक निर्णायक मोड़ दिखाई दे रहा है, एक नयी सोच का उदय हो रहा है। गैलप इंटरनेशनल जैसे वैश्विक सर्वे यह संकेत देते हैं कि 44 देशों में माता-पिता की बड़ी संख्या अब संतान के लिंग को लेकर उदासीन हो रही है, उन्हें फर्क नहीं पड़ता कि बच्चा लड़का है या लड़की। यह बदलाव केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि मानव चेतना में घटित एक ऐतिहासिक परिवर्तन है। बालिकाओं को लेकर बदल रही यह सोच मानवीयता का दर्शन करा रही है। यह सच है कि तस्वीर का एक पक्ष उजला है तो दूसरा अब भी चिंताजनक। पिछले 25 वर्षों में दुनिया ने लगभग 70 लाख बच्चियों को बचाया है, यह मानवीय प्रगति का बड़ा प्रमाण है। परंतु यह भी उतना ही कड़वा सत्य है कि आज भी हर साल दस लाख से अधिक बच्चियां गर्भ में ही खत्म कर दी जाती हैं और बीते 45 वर्षों में यह संख्या पाँच करोड़ से अधिक रही है। यानी लड़का-लड़की के भेद का राक्षस अभी पूरी तरह पराजित नहीं हुआ है। इसके बावजूद, उम्मीद की किरण इसलिए प्रबल है क्योंकि अब यह भेद सामाजिक स्वीकृति खो रहा है, और यही किसी भी क्रांति की सबसे ठोस बुनियाद होती है।

भारत में यह संघर्ष और भी जटिल रहा है। कम शिक्षा, रूढ़िवादी पितृसत्तात्मक सोच, अंधविश्वास और सामाजिक भ्रांतियों ने लंबे समय तक बालिकाओं के अस्तित्व पर संकट बनाए रखा। लेकिन हाल के वर्षों में स्थिति में उल्लेखनीय सुधार दिखता है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार, भारत में बेटों की चाहत 1999 के 33 प्रतिशत से घटकर अब 15 प्रतिशत रह गई है। यह गिरावट केवल सांख्यिकीय नहीं, बल्कि मानसिकता में आए बदलाव का संकेत है। फिर भी, 15 प्रतिशत भी कम नहीं क्योंकि इसका सीधा असर लिंगानुपात पर पड़ता है। आज देश में लिंगानुपात 1000 लड़कों पर 943 लड़कियों का है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार जन्म के समय लड़के-लड़कियों का प्राकृतिक अनुपात लगभग 105: 100 होता है, जो पाँच वर्ष की आयु तक बराबर हो जाना चाहिए। यदि पाँच साल के बाद भी 1000 लड़कों पर 57 लड़कियाँ कम हैं, तो स्पष्ट है कि प्रकृति नहीं, समाज हस्तक्षेप कर रहा है। 57 बड़ा अंतर है। सुधार की जो गति चल रही है, उस हिसाब से इस अंतर को पाटने में पच्चीस साल से ज्यादा लग जाएंगे। ये बच्चियां दुनिया में कदम रखें और अच्छी तरह से खुशगवार जिंदगी जिएं, इसके लिए उन्हें बचाने के उपाय, उनकी व्यापकता और गति सब बढ़ाने होंगे। सृष्टि के संतुलन के लिए भी यह जरूरी है। समाज की विडम्बनापूर्ण सोच ही वह ह्नबाहरी शक्तिह्व है-भेदभाव, उपेक्षा, असमान पोषण, स्वास्थ्य और अवसर जो संतुलन को बिगाड़ रही है। मौजूदा सुधार की गति से इस अंतर को पाटने में पच्चीस वर्ष से अधिक लग सकते हैं। इसलिए उपायों की व्यापकता और गति दोनों को बढ़ाना अनिवार्य है।

इस बदलाव के पीछे शिक्षा सबसे बड़ा कारक बनकर उभरी है। जब-जब लड़कियों को शिक्षा के समान अवसर मिले, उन्होंने न केवल अपनी क्षमताएँ सिद्ध कीं, बल्कि समाज की दिशा भी बदली। भारत सहित कई देशों में बालिका शिक्षा, छात्रवृत्ति, डिजिटल साक्षरता, कौशल विकास और स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं ने

लड़कियों के जीवन-पथ को नया आयाम दिया है। आज ग्रामीण क्षेत्रों तक स्कूल नामांकन में बालिकाओं की भागीदारी बढ़ी है, उच्च शिक्षा में उनकी उपस्थिति मजबूत हुई है और विज्ञान, तकनीक, खेल, प्रशासन तथा उद्यमिता-हर क्षेत्र में वे अपनी पहचान बना रही हैं। महत्वपूर्ण यह भी है कि अब नीतियाँ केवल संरक्षण तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि सशक्तिकरण की ओर बढ़ी हैं। शिक्षा के साथ-साथ पोषण, मातृत्व स्वास्थ्य, सुरक्षित परिवहन, डिजिटल पहुँच और नेतृत्व प्रशिक्षण, इन सभी ने मिलकर बालिकाओं के आत्मविश्वास को पंख दिए हैं। यह समग्र दृष्टि ही भविष्य की महिलाओं को ह्नसहायता पाने वालीह्व नहीं, बल्कि ह्ननिर्णय लेने वालीह्व बनाती है।

दुनिया के कई देशों में महिलाएँ अब राजनीति, प्रशासन और कॉरपोरेट नेतृत्व में अग्रिम पंक्ति में हैं। वे राष्ट्राध्यक्ष हैं, सेनाओं का नेतृत्व कर रही हैं, वैज्ञानिक खोजों की अगुआई कर रही हैं और वैश्विक संस्थानों में नीति-निर्धारण का हिस्सा हैं। यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर प्रतिभा लिंग नहीं देखती। गैलप इंटरनेशनल के सर्वे में उभरी उदासीनता कि संतान का लिंग मायने नहीं रखता, दरअसल इसी विश्वास का सामाजिक विस्तार है कि लड़कियाँ भी उतनी ही सक्षम हैं। पहली बार दुनिया के स्तर पर बालिकाओं को लेकर एक सकारात्मक परिदृश्य उभरा है, इन बालिकाओं को लेकर बदली सोच एवं उभरी शक्ति के परिदृश्यों के बीच यह समय बालिकाओं-महिलाओं पर हो रहे अपराध, शोषण, बलात्कार, भेदभाव के त्रासद एवं क्रूर स्थितियों पर आत्म-मंथन करने का है, क्योंकि बालिकाओं एवं महिलाओं के समावेश, न्याय व सुरक्षा की स्थिति को बताने वाले वैश्विक शांति व सुरक्षा सूचकांक के 177 देशों में भारत का 128वां स्थान है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के विरूद्ध अपराध में राष्ट्रीय औसत 66.4 है। राजधानी दिल्ली का स्थान 144.4 अंकों के साथ सर्वोच्च है। माना जाता है कि 90 प्रतिशत यौन उत्पीड़न जान-पहचान के व्यक्ति ही करते हैं। यानी बालिकाएं अपने ही घर या परिचितों के बीच सबसे ज्यादा असुरक्षित है। कानून और योजनाएँ आवश्यक हैं, पर पर्याप्त नहीं। असली परिवर्तन संस्कृति में होता है-घर के भीतर, भाषा में, परंपराओं में। जब परिवार बेटी के जन्म को उत्सव मानता है, उसकी शिक्षा में निवेश करता है, उसे निर्णयों में भागीदार बनाता है-तभी लिंगानुपात के आँकड़े स्थायी रूप से सुधरते हैं। मीडिया, साहित्य और सिनेमा की भूमिका भी यहाँ निर्णायक है; वे या तो रूढ़ियों को पोषित करते हैं या नई दृष्टि गढ़ते हैं। आज सकारात्मक प्रस्तुतियाँ बढ़ रही हैं, जो लड़कियों को आत्मनिर्भर, साहसी और नेतृत्वकारी रूप में दिखाती हैं यह सांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शुरूआत का लक्ष्य भी बालिका लिंग अनुपात में गिरावट के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करना है।

भविष्य की दिशा स्पष्ट है-समानता केवल अधिकारों की सूची नहीं, बल्कि अवसरों की वास्तविक उपलब्धता है। बालिकाओं को बचाना पहला कदम था; अब उन्हें बढ़ने, उड़ने और नेतृत्व करने देना अगला चरण है। स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा के साथ-साथ रोजगार, संपत्ति अधिकार, डिजिटल अवसर और निर्णय-निर्माण में हिस्सेदारी-ये सभी समानता के स्तंभ हैं। यदि इन पर निरंतर और समन्वित कार्य हुआ, तो आने वाले वर्षों में लिंगानुपात केवल सुधरेगा ही नहीं, बल्कि समाज अधिक संतुलित, संवेदनशील और उत्पादक बनेगा। एक समय था जब बालिका को कोख में ही समाप्त कर दिया जाता था; आज वही दुनिया उसके जन्म पर प्रसन्नता व्यक्त कर रही है। यह बदलाव अधूरा है, पर निर्णायक है। भारत में बेटों की चाहत का घटता ग्राफ, दुनिया भर में लिंग-उदासीनता की बढ़ती प्रवृत्ति और महिलाओं के लिए विस्तृत होती शिक्षा-सशक्तिकरण योजनाएँ-सब मिलकर संकेत देते हैं कि आने वाला समय वास्तव में महिलाओं का समय है। यदि यह गति बनी रही, तो देश की बालिकाएँ न केवल अपना परचम फहराएँगी, बल्कि मानव सभ्यता को अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित दिशा भी देंगी। यही सृष्टि का स्वाभाविक और आवश्यक संतुलन है।

खालिदा जिया की मौत से बीएनपी को मिल रहा 12 फरवरी के चुनावों में लाभ

नित्य चक्रवर्ती

कई वामपंथी लोग अभी भी एनसीपी का हिस्सा हैं, हालांकि उनमें से कुछ ने हाल के हफ्तों में पार्टी छोड़ दी है। लेकिन जो लोग सच में एक विकल्प की तलाश में थे, उनके लिए मौजूदा एनसीपी ने जमात के साथ गठबंधन करके उनके सपनों को तोड़ दिया है, बिना जुलाई चार्टर पर आधारित अपने कार्यक्रम को लोगों तक पहुंचाने और उस आधार पर वोट मांगने की पूरी कोशिश किए।

पड़ोसी बांग्लादेश में, राजनीतिक घटनाक्रम कई बार अप्रत्याशित मोड़ लेते हैं, लेकिन जुलाई क्रांति का नेतृत्व करने वाले छात्र संगठन की पार्टी एनसीपी और कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी के बीच नवीनतम गठबंधन ने उन प्रगतिशील ताकतों को चौंका दिया है जिन्होंने उस विद्रोह का समर्थन किया था जिसके कारण 5 अगस्त, 2024 को शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार गिर गई थी।

इस साल 12 फरवरी को राष्ट्रीय चुनाव होने हैं और नामांकन प्रक्रिया 21 जनवरी तक पूरी हो जाएगी। इसलिए अगले कुछ दिनों में, बांग्लादेश संसद की 300 सीटों के लिए उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने के लिए दोनों विरोधी गठबंधनों के बीच गहन बातचीत होगी। यह गठबंधन अभी भी एनसीपी के धर्मनिरपेक्ष सोच वाले कार्यकर्ताओं के एक वर्ग की आलोचना का सामना कर रहा है। इसके परिणामस्वरूप बहुत से इस्तीफे हुए हैं, लेकिन एनसीपी का मुख्य नेतृत्व जमात के साथ सीटों के बंटवारे के साथ आगे बढ़ रहा है।

बीएनपी अध्यक्ष खालिदा जिया की 31 दिसंबर को लंबी बीमारी के बाद मौत से आम बांग्लादेशी नागरिकों के बीच सहानुभूति की लहर फैल गई है, जो पार्टी संबद्धता से परे है। यह उनके अंतिम संस्कार में लोगों की भारी भीड़ और जिस तरह से पूरे देश ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया, उससे स्पष्ट था, ऐसे समय में जब लोग 12 फरवरी के चुनावों के बाद खालिदा जिया के फिर से प्रधानमंत्री बनने के साथ बीएनपी की सत्ता में वापसी की बात कर रहे थे।

खालिदा के बेटे तारिक रहमान अब बीएनपी के अध्यक्ष हैं और वह बीएनपी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार हैं, जो अपने उम्मीदवारों को 90 प्रतिशत से अधिक सीटों पर नामांकन दाखिल करने की योजना बना रही है, जिसमें कुछ सीटें अपने सहयोगियों, जिसमें निर्दलीय भी शामिल हैं, के लिए छोड़ी गई हैं। जमात

के साथ गठबंधन से असंतुष्ट कई एनसीपी नेताओं ने टिकट के लिए बीएनपी नेतृत्व से संपर्क किया है। तारिक इस पर अंतिम फैसला लेंगे। उन्होंने खुद तीन निर्वाचन क्षेत्रों से नामांकन दाखिल किया है।

1 जनवरी तक, जनमत सर्वेक्षणों और सर्वे में बीएनपी को प्रमुख स्थिति में रखा गया है, जिसके बाद जमात है। पिछले चुनावों में, एनसीपी को लगभग 6 से 8 प्रतिशत वोट मिले थे। यही वजह थी कि एनसीपी ने गठबंधन के लिए जमात के साथ लॉबिंग की, क्योंकि दोनों का गठबंधन बीएनपी को कुछ चुनौती दे सकता है। लेकिन ढाका के राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि यह जमात-एनसीपी गठबंधन विफल हो सकता है, क्योंकि एनसीपी के समर्थक जमात के उम्मीदवारों को वोट नहीं देंगे और जमात के समर्थक निश्चित रूप से एनसीपी के उम्मीदवारों को वोट नहीं देंगे। दोनों पार्टियां अपने गतिविधियों और नीतियों में इतनी अलग हैं कि राजनीतिक जुड़ाव से बाहर आम लोगों के लिए, यह गठबंधन एक बड़ा मौकापरस्त गठबंधन है।

एनसीपी के जो नेता गठबंधन के पक्ष में हैं, वे कहते हैं कि यह गठबंधन सिर्फ 12 फरवरी के चुनावों में बीएनपी का मुकाबला करने के लिए है, एनसीपी ने अपना कार्यक्रम कमजोर नहीं किया है, वह अपने जुलाई चार्टर पर कायम है और चुनाव खत्म होने के बाद भी उसी पर चलेगी। यह बात एनसीपी नेतृत्व को पता है कि हसीना सरकार को हटाने के आंदोलन में बड़ी भूमिका निभाने के बावजूद उसे लोगों का समर्थन नहीं मिल रहा है। अगर वह अकेले चुनाव लड़ती है, तो वह खत्म हो जाएगी, इसलिए उसने सम्मानजनक सीटें पाने के लिए जमात के साथ गठबंधन किया है, लेकिन इस प्रक्रिया में, पार्टी ने खुद को एक ऐसी पार्टी का सहयोगी बना लिया है जिसका बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ सांप्रदायिक तनाव भड़काने में बड़ी भूमिका है। सिर्फ भारतविरोधी गतिविधियों और नीतियों ने दोनों को एकजुट किया है, वरना उनमें कुछ भी समान नहीं है। हसीना सरकार गिरने के बाद शुरूआत में जब जमात के समर्थकों ने अल्पसंख्यकों पर हमला किया था, तो एनसीपी के छात्रों ने ही उन्हें संरक्षण दिया था।

दरअसल, सिर्फ बांग्लादेश के लिए ही नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया के लिए भी, छात्र आंदोलन का भटकाव, जिससे फरवरी 2025 में नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) की स्थापना हुई, इस उपमहादेश के एक और देश में युवा आंदोलन के रास्ते से भटकने का एक और मामला है। एनसीपी ने अपनी स्थापना सम्मेलन में एक संक्रमण काल के कार्यक्रम की घोषणा की थी और हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश की धर्म आधारित राजनीति में एक प्रगतिशील विकल्प के रूप में उभरने की इच्छा रखी थी। एनसीपी ने प्रशासनिक सुधार, भ्रष्टाचारविरोधी और सरकार के कामकाज में पारदर्शिता के बारे में काफी बातें की थीं। कई वामपंथी लोग अभी भी एनसीपी का हिस्सा हैं, हालांकि उनमें से कुछ ने हाल के हफ्तों में पार्टी छोड़ दी है। लेकिन जो लोग सच में एक विकल्प की तलाश में थे, उनके लिए मौजूदा एनसीपी ने जमात के साथ गठबंधन करके उनके सपनों को तोड़ दिया है, बिना जुलाई चार्टर पर आधारित अपने कार्यक्रम को लोगों तक पहुंचाने और उस आधार पर वोट मांगने की पूरी कोशिश किए। बांग्लादेश में जो लोग एक असली विकल्प की तलाश में थे, उनके लिए अब कुछ भी नहीं बचा है। संभव है 12 फरवरी के चुनावों के बाद राजनीति पुरानी रूढ़िवादी पारंपरिक पार्टियों के पास वापस चली जाएगी।

बांग्लादेश के प्रमुख अंग्रेजी दैनिक डेली स्टार ने साफ तौर पर कहा है, 'तो, यह गठबंधन उन वोटरों से ठीक-ठीक क्या कहता है जिन्होंने एनसीपी के 'नई राजनीति' के वायदे पर भरोसा किया था? एक बात तो यह है कि यह बताता है कि वैचारिक स्पष्टता हमेशा बातचीत से तय हो सकती थी। अगर कई लोगों के लिए एनसीपी के प्रति शुरूआती आकर्षण उसकी युवा ऊर्जा थी...और अतीत से नाता तोड़ने की प्रतिबद्धता, वे गुण अब उसी पारंपरिक राजनीतिक हिसाब-किताब से छनते हुए दिख रहे हैं जिसकी उसने कभी आलोचना की थी। जिन युवा समर्थकों को उसने कभी लुभाया था, उनके पास अब निराशा और मोहभंग के बीच चुनाव करने का विकल्प बचा है, क्योंकि जिस पार्टी का उन्होंने समर्थन किया था, वह एक ऐसे समूह के साथ गठबंधन कर रही है जिसका ऐतिहासिक बोझ अभी भी विवादित है। यह गठबंधन सिफ 'चुनावी समझौता नहीं है। यह प्रतीकात्मक है। यह मतदाताओं को बताता है कि कहानी की निरंतरता से ज्यादा चुनावी गणित मायने रखता है। यह बात पार्टी रणनीतिकारों को समझ में आ सकती है जो अंदरूनी असंतोष और इस्तीफों से परेशान हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि जमीनी स्तर पर नया भरोसा पैदा होगा।'

एनसीपी के नेता, स्वाभाविक रूप से, कह रहे हैं कि गठबंधन बनाना लोकतांत्रिक राजनीति का एक अभिन्न अंग है। वे कहते हैं कि बिखरे हुए राजनीतिक माहौल में, समान विचारधारा वाली ताकतों के साथ काम करना व्यावहारिक है। वे इस बात पर जोर देते हैं कि यह समझौता पूरी तरह से चुनावी उद्देश्यों के लिए है। दरअसल, एनसीपी के एक बयान में जोर देकर कहा गया कि वह गठबंधन में सिर्फ इसलिए शामिल हुई क्योंकि मौजूदा हालात में वह 'अकेले चुनाव नहीं लड़ सकती'। एनसीपी को उम्मीद है कि चुनाव के बाद वह अपनी पुरानी शान फिर से हासिल कर लेगी क्योंकि सत्ता में आने वाली पारंपरिक पार्टियों के पास नया बांग्लादेश बनाने का सही दृष्टिकोण नहीं होगा। जैसा कि रुझान दिखा रहे हैं, यह जीत दूर की कौड़ी लगती है। बांग्लादेश की राजनीति के लिए यह एक बड़ी त्रासदी है और इसके लिए एनसीपी के शीर्ष नेतृत्व को जिम्मेदारी लेनी होगी।

2025 का भारत : ईसाई अल्पसंख्यकों की दुर्दशा

राम पुनियानी

एक के बाद एक राज्य धर्मांतरण विरोधी कानून बनाते जा रहे हैं जिन्हें 'धर्म स्वतांत्र्य अधिनियम' का नाम दिया जाता है। इनसे ईसाई समुदाय की धार्मिक गतिविधियों में तरह-तरह की बाधाएं और कठिनाईयां खड़ी हो गई हैं। पॉस्टरों और पादरियों को धर्मपरिवर्तन कराने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया जाता है और वे सालों तक निरर्थक कानूनी झंझटों में उलझे रहते हैं।

अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय के खिलाफ हिंसा हमारे देश में आम हो गई है। उसका स्वरूप और तीव्रता बदलती रहती है पर मुसलमानों को डराने-धमकाने का सिलसिला कभी थमता नहीं है। दूसरे सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय, ईसाईयों, को भी बख्शा नहीं जाता हालांकि उनके खिलाफ हिंसा की खबरें यदाकदा ही सामने आती हैं। इसकी मुख्य वजह यह है कि हिंसा इतने छोटे स्तर पर होती है कि उसका पता ही नहीं चलता। मगर क्रिसमस के आसपास वह साफ नजर आने लगती है।

हमें 1990 का दशक याद है जब ओडिशा और गुजरात में हिंसा हुई थी और लगभग उसी दौरान अटल बिहारी वाजपेयी ने टिप्पणी की थी कि धर्मपरिवर्तन के मुद्दे पर राष्ट्रीय बहस की आवश्यकता है। धर्मपरिवर्तन ईसाई समुदाय से जुड़े विभिन्न आयोजनों पर हमले करने का मुख्य बहाना रहा है। उनकी प्रार्थना सभाओं, चर्चों में होने वाली बैठकों और समारोहों के दौरान हिंसा की अधिक घटनाएं होती हैं। इस साल भी क्रिसमस से जुड़े कार्यक्रमों के दौरान हिंसा हुई।

हिंदुत्व के मैदानी कार्यकर्ताओं के लिए फुटपाथ पर क्रिसमस से संबंधित सामान जैसे टोपियां, कपड़े आदि बेच रहे दुकानदारों पर हमले करना एक जश्न मनाने जैसा था। कई जगहों पर उन्होंने सांता क्लाज की प्रतिकृतियों को तोड़ा, चर्चों को नुकसान पहुंचाया और क्रिसमस से जुड़ी सामग्री बेच रही दुकानों पर हमला किया। स्तंभकार तवलीन सिंह ने इंडियन एक्सप्रेस में लिखा, 'हिन्दुत्व के अधिक दुस्साहसी सैनिक चर्चों में घुस गए और उन्होंने वहां हिंसा और वहशी हरकतें करते हुए प्रार्थनाओं में बाधा डाली। उन्होंने अपनी इन

'उपलब्धियों' के वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किए। इनमें से एक में मैंने देखा कि जबलपुर में एक भाजपा नेत्री एक चर्च में प्रवेश करती है और आक्रामक भाषा में एक नेत्रहीन महिला को धमकाते हुए उस पर हिंदुओं का धर्मपरिवर्तन कर उन्हें ईसाई बनाने का प्रयास करने का आरोप लगाती है...क्रिसमस के उत्सवों में बाधा डालने के लगभग 100 प्रयास किए गए और लगभग सभी उन राज्यों में हुए जहां भाजपा का शासन है। किसी को भी दंडित नहीं किया गया और किसी भी मुख्यमंत्री ने खुलकर हिंसा की आलोचना नहीं की'।

इन घटनाओं की खबरें अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी प्रसारित और प्रकाशित हुईं। कुछ समाचारपत्रों ने उनके देशों में बदले की भावना से हिन्दुओं के साथ हिंसा होने की संभावना भी जताई। इन घटनाओं को लेकर भारत सरकार के रवैये का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि उसने पूरी तरह चुप्पी साध रखी है। यह कोई संयोग मात्र नहीं है कि हिंसा की ज्यादातर घटनाएं भाजपा-शासित राज्यों में हो रही है। हम खुशकिस्मत हैं कि हमारे प्रधानमंत्री नॉन बायोलॉजिकल हैं और इसलिए इस सबके बीच भी वे चर्च में जाकर प्रार्थना कर लेते हैं! यह बहुत ही दिलचस्प था कि जब चर्च में हिन्दुत्व के सर्वोच्च नेता ईसाई धर्म के प्रति सम्मान दिखा रहे थे तब उनके अनुयायी चर्चों और सड़कों पर ईसाई-विरोधी गुंडागर्दी कर रहे थे।

सिटीजन्स फॉर जस्टिस एंड पीस (24 दिसंबर 2025) ने अपनी रपट में ईसाई-विरोधी हिंसा में हुई जबरदस्त बढ़ोतरी का सारगर्भित विवरण किया है। 'वर्ष 2014 से 2024 के बीच ईसाई-विरोधी हिंसा की दस्तावेजीकृत घटनाओं की वार्षिक संख्या 139 से बढ़कर 834 हो गई, जो 500 प्रतिशत से भी अधिक की वृद्धि दशार्ता है। केवल 2025 में जनवरी से लेकर नवंबर तक ऐसी 700 से अधिक घटनाओं की सूचना प्राप्त हो चुकी है जो घरों, चर्चों, स्कूलों, अस्पतालों एवं अन्य संस्थाओं में घटित हुईं। इनसे दलित व आदिवासी ईसाई व महिलाएं सर्वाधिक प्रभावित हुईं'। यूएस कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम ने अपनी 2025 की रपट में धार्मिक स्वतंत्रता के बुरे हालातों का हवाला देते हुए एक बार फिर भारत को 'विशिष्ट चिंता वाला देश' घोषित किए जाने की अनुशंसा की है। ह्यूमन राईट्स वॉच एवं अन्य संस्थाओं ने भी अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाली घटनाओं का दस्तावेजी विवरण दिया है।

क्रिसमस के ठीक पूर्व हिंसा होना कोई नई बात नहीं है और एक बिशप ने रायपुर में चर्चों को हिंसा के प्रति आगाह किया था। रायपुर में कैथोलिक अर्चबिशप विक्टर हैनरी ठाकुर बहुत चिंतित थे। उन्होंने स्थानीय चर्चों, स्कूलों और अन्य संस्थानों को पत्र लिखकर उनसे सावधान रहने का अनुरोध किया था। 'कल (क्रिसमस के दिन) के लिए छत्तीसगढ़ बंद रखने के आह्वान के मद्देनजर मेरा मानना है और मेरा सुझाव है कि हमारे सभी चर्चों, कान्वेंटों और अन्य संस्थानों को लिखित अनुरोध कर स्थानीय पुलिस से सुरक्षा की मांग करनी चाहिए। कृपया मेरे सुझाव की ओर ध्यान दें क्योंकि ऐसा लगता है कि ओडिशा के कं धमाल की तरह यहां भी क्रिसमस के ठीक पहले कुछ करने की योजनाएं बनाई जा रही हैं'। 2007 और 2008 में ओडिशा में क्रिसमस के आसपास भारी हिंसा हुई थी।

डीएम ने किया पाठा जलकल स्थित जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। नगरवासियों को स्वच्छ पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने के दृष्टिगत गुरुवार को जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने पाठा जलकल स्थित जल शोधन संयंत्र (डब्ल्यू.टी.पी.) का निरीक्षण किया। यहां डीएम ने जल शोधन व्यवस्थाओं का जायजा लेकर सम्बन्धितों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा पेयजल की गुणवत्ता की जाँच के लिए पाठा जलकल परिसर में प्रयोगशाला बनाने के निर्देश दिए, ताकि समय पर पेयजल गुणवत्ता की जांच की जा सकें। कहा कि पेयजल में क्लोरीनेशन आवश्यक रूप से कराएं तथा लीकेज पाइप लाइनों की शिकायतें मिलने पर तत्काल मरम्मत कराई जाए। जिससे नगरवासियों को शुद्ध पेयजल की सुविधा प्राप्त हो सके। अधिशासी अभियन्ता जल संस्थान को निर्देश दिए कि जल शोधन संयंत्र परिसर में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करायें। अधिशासी अभियन्ता ने बताया कि तीन शिफ?टों में कर्मचारियों की तैनाती कर जल शोधन संयंत्र का संचालन कराया जा रहा है। इस पर डीएम ने निर्देशित किया कि पाठा जलकल जल शोधन संयंत्र वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को संचालित किये जाने वाले कार्मिको को सुरक्षा किट उपलब्ध कराए। डीएम ने पाठा जलकल में पानी के टैंकरों आदि की उपलब्धता की भी जानकारी ली। जिस पर अधिशाससी अभियन्ता ने बताया कि जल संस्थान में कुल 22 टैंकर उपलब्ध है, जो वर्तमान में क्रियाशील है। निर्देश दिये कि नगर पालिका परिषद चित्रकूट क्षेत्र में पेयजल समस्या से ग्रसित मोहल्लों में टैंकरों के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करायें। साथ ही नगर वासियों के व्यक्तिगत कार्य के लिए मांग पर निर्धारित शुल्क लेकर टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति उपलब्ध कराए। यह भी निर्देश दिये गये कि निष्प्रयोज्य टैंकरों की नियमानुसार नीलामी आदि की प्रक्रिया करते हुए निस्तारण करायें। निर्देश दिए कि नगर में पेयजल से संबन्धित सभी शिकायतों का शीघ्र निराकरण कराते हुए नगरवासियों को प्रत्येक दशा में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित कराए।

प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को डीएम ने किया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जनपद के विभिन्न विद्यालयों में राष्ट्रीय एकता दिवस के तहत आयोजित प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया था। जिसमें सामान्य ज्ञान, चित्रकला, मेहंदी, योगा व नृत्य आदि प्रतियोगिताओं में प्राइमरी, जूनियर, सीनियर व सुपर सीनियर के लगभग 20000 बच्चों ने प्रतिभाग किया था। इनमें से 1500 बच्चों को विद्यालय स्तर के और 250 बच्चों को केंद्रीय स्तर के पुरस्कार प्रदान किए गए।

इन प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों में से चयनित 17 बच्चों ने गुरुवार को जिलाधिकारी पुलकित गर्ग से उनके कार्यालय में वातार्लाप की। इस दौरान डीएम ने सभी बच्चों को सम्मानित भी किया। सम्मानित होने वाले बच्चों में खुशी पांडेय ने सामान्य ज्ञान, चित्रकला व मेहंदी प्रतियोगिता में सर्वाधिक अंक प्राप्त करके लैपटॉप प्राप्त किया। इसी प्रकार अरुण जायसवाल ने योगा और चित्रकला में लैपटॉप प्राप्त किया। रोशनी कुशवाहा, रागिनी शर्मा व रजत सिंह ने भी लैपटॉप प्राप्त किया। इसी प्रकार रूबी, लक्ष्मी, पूर्णिमा, चंदा देवी व अनुष्का यादव ने स्मार्टफोन प्राप्त किया। इसके अलावा सूरज, गोविंद, बानू, गुजराल आदि ने साइकिल प्राप्त की। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक संतोष कुमार सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सशस्त्र सन्यासी यात्रा के सम्बन्ध में आयोजित की गई तैयारी बैठक

चित्रकूट। शिव शक्ति अखाड़ा के उपासक एवं संत मधुरामशरण शिवा महराज के नेतृत्व में जनपद में निकलने वाली सशस्त्र सन्यासी यात्रा को लेकर गुरुवार को भरतकूप मंदिर में, सरस्वती शिशु मंदिर शिवरामपुर में, निमोहीं अखाड़ा रामघाट में व एमजी पैलेस कर्वी में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में आगामी 16 जनवरी से दो फरवरी तक निकलने वाली सशस्त्र सन्यासी यात्रा की तैयारी के सम्बन्ध में चर्चा करते हुए रणनीति तैयार की गई। यात्रा के लिए बैठक में उपस्थित लोगों ने कार्य के लिए स्वत ही जिम्मेदारियां ली एवं उन जिम्मेदारियों का पूरे मन से पालन करने का संकल्प लिया। बताया कि यात्रा का मुख्य उद्देश्य हिंदुओं को सशक्त एवं सशस्त्र बनाना है। कहा कि आए दिन हिंदुओं के ऊपर किए जा रहे अत्याचार की खबरें आ रही है और उनकी आस्था के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। हिंदू देवी-देवताओं ने शस्त्र धारण कर दुष्टों का संहार किया था। ऐसे में हिंदुओं को भी सशक्त होना चाहिए। इस मौके पर भरतकूप में भगवानदीन त्रिपाठी, जीतू गुप्ता, शिवरामपुर में राजा पांडेय, अवधेश यादव, अमित श्रीवास्तव, प्रिंस पाण्डेय, रामघाट में दिनेश तिवारी, संतोष मिश्रा, मुन्ना अमित मिश्रा, रामशरण तिवारी, अजय यादव, शास्त्री अनु सोलंकी, अर्जुन सोलंकी, सिद्धार्थ पांडेय, ज्ञान सिंह, रवि त्रिपाठी, प्रदीप मिश्रा, कर्वी में डब्बू भाई, चंद्रप्रकाश खरे, श्याम गुप्ता, जवाहर सोनी, आलोक पांडेय, रवि गुप्ता, कमलाकांत उपाध्याय, अनिल पांडेय, शैलेंद्र सोनी, धर्मेंद्र सिंह, प्रियांशु, सोनू खंगार, संजुला पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

भीषण ठंड के दृष्टिगत गरीबों को बांटे गए कबंल

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। महिलाओं को स्वावलंबी, आत्मनिर्भर व सशक्त करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति के पांचवे चरण के तहत ग्राम कंठीपुर में चैपाल का आयोजन किया गया। जिसमें समाजसेवी संस्था इण्टरनेशनल पायनियर्स क्लब द्वारा पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की उपस्थिति में गरीबों को कम्बल वितरित किए गए। साथ ही निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाकर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं वितरित की गईं।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने कहा कि भीषण ठंड में कंबल वितरण कर गरीबों की सेवा करना सराहनीय है। उन्होंने मौजूद ग्रामीणों से कहा कि बच्चों की शिक्षा व साफ-सफाई में ध्यान दें तथा घर का वातावरण नशा मुक्त बनाएं। कहा कि किसी भी प्रकार समस्या होने पर हेल्प लाइन नंबर 1090, 112 आदि में कॉल कर सहायता लें। कहा कि समाज में गिरते नैतिक मूल्यों के कारण ही परस्पर विवाद हो रहे हैं, जिन्हें आपसी संवाद सौहार्द से निपटाया जा सकता है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी ने कहा कि इस पुनीत कार्य के लिए संस्था के सभी सदस्य बधाई के पात्र हैं। ग्रामीणों से कहा कि स्वस्थ सोच के लिए स्वस्थ दिमाग चाहिये, जिसके लिए सभी का स्वास्थ्य ठीक होना चाहिए। सीएमओ ने शिवरामपुर एमओ डॉ सुधीर सिंह और उनकी टीम द्वारा लगाए गए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर की सराहना करते हुए सभी ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं निदान कर दवाएं उपलब्ध कराने को कहा। संस्था के अध्यक्ष केशव शिवहरे ने कहा कि विगत 27 वर्षों से संस्था के सदस्यों द्वारा आपसी सहयोग से जरूरतमंदों को शीतकाल में आवश्यकतानुसार कंबल और ऊनी वस्त्र प्रदान किए जाते है। अग्रणी जिला प्रबंधक अनुराग शर्मा ने वित्तीय सहायता, नियमों एवं हो रहे आर्थिक अपराध से रोक थाम के उपाय बताए। गायत्री शक्तिपीठ के संचालक डॉ. राम नारायण त्रिपाठी ने धर्म की विधिवत व्याख्या करते हुए युवा पीढी को संस्कारित होने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर मिशन शक्ति की नोडल सविता श्रीवास्तव, ज्ञान चंद्र शुक्ल, शिक्षक विजय सिंह पटेल, संस्था पदाधिकारी महेन्द्र केशरवानी, डॉ. विभांशु गुप्ता, विशाल अग्रवाल, अतुल अग्रवाल, सुनील सुहाने, राजेन्द्र गुप्ता, शिवम गुप्ता, ओम प्रकाश साहू, पीआरओ पंकज तिवारी सहित ग्रामीण आदि मौजूद रहे।

जनपद में पहली बार आयोजित होगा चित्रकूट युवा रत्न सम्मान समारोह

चित्रकूट। जनपद के युवाओं को प्रोत्साहित करने और समाज में उनके योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से पहली बार चित्रकूट युवा रत्न सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह समारोह स्वामी विवेकानंद की जयंती के रूप में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आगामी 12 जनवरी को पहाड़ी स्थित शांति देवी इण्टर कॉलिज परिसर में आयोजित होगा। कार्यक्रम के संयोजक विद्यालय के प्रबंधक एवं समाजसेवी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि इस समारोह में विभिन्न क्षेत्रों शिक्षा, खेल, कला, सामाजिक सेवा, उद्यमिता तथा अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां प्राप्त करने वाले जनपद के युवाओं को चित्रकूट युवा रत्न सम्मान से नवाजा जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य जनपद के होनहार युवाओं को एक मंच पर लाना और उनके कार्यों से अन्य युवाओं को प्रेरित करना है ताकि सभी अपने प्रयासों से प्रदेश और देश में चित्रकूट को नई पहचान दिला सकें। यह समारोह युवाओं में उत्साह और आत्मविश्वास का संचार करेगा तथा उनके उज्जवल भविष्य की दिशा में प्रेरक कदम साबित होगा।

इग्नू के कौशल विकास आधारित पाठ्यक्रम ये जुड़कर करियर सँवारे : डॉ0 रीना कुमारी

चित्रकूट। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) लखनऊ की उपनिदेशक डॉ रीना कुमारी ने गुरुवार को विश्वविद्यालय के परीक्षा केन्द्र गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्याय बेड़ीपुलिया का औचक निरीक्षण किया। यहां उन्होंने परीक्षा से संबंधित सभी व्यवस्थाओं की जाँच की तथा परीक्षा नियंत्रक स्टाफ सदस्यों से बातचीत कर परीक्षाओं को निष्पक्ष एवं व्यवस्थित रूप से संचालित करने पर बल दिया।

डॉ रीना कुमारी ने बताया कि इग्नू ने जनवरी 2026 सत्र के लिए पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारम्भ कर दिया है। साथ ही सभी स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों में रि-रजिस्ट्रेशन आरम्भ कर दिए है। जिन विद्यार्थियों ने जनवरी 2025 (वार्षिक पाठ्यक्रम) में प्रवेश लिया है, उनके लिए 15 जनवरी 2026 तक रि-रजिस्ट्रेशन करवाना आवश्यक है। साथ ही ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने जुलाई 2025 सत्र में सेमेस्टर आधारित पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया है, उनको अपने अगले समेस्टर में रि-रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य है। विद्यार्थी इग्नू की बेवसाइट के माध्यम से रि-रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। इसमें समस्या आने पर इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ पर किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर सकते हैं या ई-मेल भेज सकते है। रि-रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी करने की अन्तिम तिथि 15 जनवरी 2026 है। बताया कि इग्नू और भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत स्किल ट्रेनिंग लागू करते हुए इग्नू के रिजनल सेन्टर में स्किल सेन्टर स्थापित करने के लिए समझौते में हस्ताक्षर किए है।

इस दौरान आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में उन्होंने महिला सशक्तिकरण की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए रोजगार के विभिन्न अवसरों के विषय में चर्चा की। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राजेश कुमार पाल, समन्वयक डॉ नीरज गुप्ता, सहसमन्वयक डॉ वंश गोपाल, डॉ रामनरेश यादव, डॉ राकेश कुमार शर्मा, अध्ययन केन्द्र के सदस्य डॉ अमित कुमार सिंह, विनय कुमार आदि मौजूद रहे।

डीएम ने कराया समस्या समाधान

चित्रकूट। बरगढ़ निवासी डॉ छेदीलाल दुबे ने जिलाधिकारी पुलकित गर्ग को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि चकबंदी वाद में पारित आदेश द्वारा जमीन के एक हिस्से को चकबंदी अधिकारी द्वारा खलिहान के रूप में दर्ज किया गया था, परन्तु चकबंदी लेखपाल द्वारा आकार पत्र 41 व 45 बनाते लिपिकीय त्रुटिवश उसे खाल निकालने के स्थान के रूप में दर्ज कर दिया गया है। इस पर जिलाधिकारी ने त्वरित व प्रभावी न्यायिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी के माध्यम से इस लिपिकीय त्रुटि को दुरूस्त कराते हुए आवेदक की समस्या का समाधान कराया। आवेदक ने अपनी समस्या का त्वरित एवं प्रभावी ससमय निस्तारण किये जाने पर जिलाधिकारी को धन्यवाद दिया।

आज होगी बैठक

चित्रकूट। प्रभारी अधिकारी प्रोटोकॉल ने बताया कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद की शिक्षा का व्यवसायीकरण संबंधी जांच समिति अध्ययन भ्रमण कार्यक्रमानुसार गुरुवार को जनपद पहुंची है। समिति के सदस्य व सभापति डॉ धर्मेंद्र सिंह शुक्रवार चित्रकूटधाम मंडल के सभी जिलों के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद समिति जनपद झांसी के लिए प्रस्थान करेगी।

जिला पंचायत की बैठक 12 को

चित्रकूट। अपर मुख्य जिला पंचायत अधिकारी सुधीर कुमार ने बताया कि जिला पंचायत सामान्य बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव की अध्यक्षता में आगामी 12 जनवरी सोमवार को कार्यालय स्थित जिला पंचायत सभागार में आयोजित की जाएगी।

विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों के संयोजक नामित

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में आगामी कार्यक्रमों की तिथियां निर्धारण कर कार्यक्रम संयोजकों को नामित किया गया है।विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो आरसी त्रिपाठी ने बताया कि स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस के अवसर पर आगामी 12 जनवरी को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में युवा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें व्याख्यान और निबंध प्रतियोगिताओ सहित विभिन्न कार्यक्रम होंगे। इसके लिए डॉ रवि कांत श्रीवास्तव को अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय का, डॉ श्याम सिंह गौर को कला संकाय का, डॉ शिव शंकर सिंह को कृषि संकाय का, प्रो चंद्र प्रकाश गुजर को ग्रामीण विकास एवं व्यवसाय प्रबंधन संकाय का और प्रो साधना चैरसिया को विज्ञान एवं पर्यावरण संकाय का कार्यक्रम संयोजक नामित किया गया है। इसी क्रम में बसंत पंचमी का पर्व 23 जनवरी को मनाया जाएगा। इसके लिए उप कुलसचिव अकादमी प्रो साधना चैरसिया को कार्यक्रम संयोजक नामित किया गया है। साथ ही आगामी 26 जनवरी को मनाए जाने वाले गणतंत्र दिवस के लिए अधिष्ठाता कला संकाय को इस कार्यक्रम संयोजक नामित किया गया है। इसके अलावा आगामी 30 जनवरी को ग्रामोदय विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि कार्यक्रम 30 जनवरी को होगा। इसके लिए भी अधिष्ठाता कला संकाय को कार्यक्रम का संयोजक नामित किया गया है।

मऊ, मानिकपुर व राजापुर को आईजीआरएस में मिला प्रथम स्थान

चित्रकूट। जिले की मऊ तहसील ने दिसंबर माह में आईजीआरएस (एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली) निस्तारण में प्रदेश भर में पहला स्थान प्राप्त किया है। कुल 350 तहसीलों में मऊ ने यह उपलब्धि लगातार दूसरी बार हासिल की। इसी अवधि मे चित्रकूट जिले की समग्र रैंकिंग 75 जनपदों में से 17वीं रही। प्रदेश में चित्रकूट जिले की अन्य तहसीलों की रैंकिंग भी जारी की गई। इस माह मऊ तहसील के साथ-साथ मानिकपुर और राजापुर तहसीलों ने भी प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं कर्वी तहसील 215वें स्थान पर रही। मऊ तहसील को लगातार दूसरी बार यह सफलता उप जिलाधिकारी (एसडीएम) राम ऋषि रमन की प्रभावी कार्यशैली और निगरानी के कारण मिली है। उनके प्रयासों से शिकायतों का त्वरित और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित हुआ है। आईजीआरएस में प्रथम स्थान प्राप्त होने पर एसडीएम राम ऋषि रमन ने कहा कि मुख्यमंत्री पोर्टल या आईजीआरएस पर प्राप्त होने वाले सभी आवेदनों का ससमय निस्तारण करते हुए तहसील की इस रैंकिंग को बनाए रखना है।

कराची प्रशासन का अल्टीमेटम- फुटपाथ खाली करो, वरना होगी FIR, कारोबारियों में बढ़ा तनाव

कराची

कराची में अधिकारियों ने अतिक्रमण विरोधी अभियान का दायरा बढ़ाते हुए तिब्बत सेंटर के पास एमए जिन्ना रोड पर स्थित ऑटोमोबाइल स्पेयर पार्ट्स मार्केट को सील कर दिया है। डॉन अखबार के अनुसार, शहर के अन्य हिस्सों में भी सैकड़ों दुकानें सील की गई हैं। यह कार्रवाई अकबर रोड पर स्थित पूरे मोटरसाइकिल बाजार को सील करने के बाद की गई है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि इस व्यापक अभियान से पूरे शहर में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली हैं। इस अभियान से सड़क किनारे स्थित ढाबों के साथ-साथ उन व्यापारियों पर भी असर पड़ा है जो कर राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, जिससे इसके पैमाने और प्रभाव पर सवाल उठ रहे हैं। डॉन द्वारा उद्धृत जानकारी के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि ऑटोमोबाइल स्पेयर पार्ट्स

मार्केट में मरम्मत के लिए खड़ी गाड़ियां मुख्य सड़क पर अतिक्रमण कर रही थीं, जिसके कारण यातायात जाम हो रहा था। इसके बाद 86 दुकानों को सील कर दिया गया।

अधिकारियों ने अकबर रोड मोटरसाइकिल बाजार में 115 दुकानों को सील करने के लिए भी इसी तरह के कारण बताए, जो सोमवार को भी बंद रहा। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि शहर के व्यावसायिक क्षेत्रों में दर्जनों अन्य दुकानें भी सील कर दी गईं। दक्षिण के उपायुक्त जावेद नबी खोसो ने बताया कि तिब्बत केंद्र के पास के दुकानदारों को अपनी दुकानों के सामने अतिक्रमण हटाने के लिए तीन चेतावनी जारी की गई थीं। उन्होंने दावा किया कि सड़क किनारे काम करने वाले मैकेनिक और इलेक्ट्रीशियन ज्यादातर दुकान मालिकों द्वारा व्यवसाय बढ़ाने के लिए रखे जाते हैं। उन्होंने कहा, वाहनों की दोहरी पार्किंग के कारण सड़क पर बहुत भीड़ हो गई थी, जिससे यातायात बाधित हो रहा था।

सोमवार को हुई एक बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जो दुकानदार मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के अनुपालन का लिखित आश्वासन देने वाले हलफनामे प्रस्तुत करने में विफल रहेंगे, उन्हें दुकानें दोबारा खोलने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जिन दुकानों ने उपायुक्तों को वचन पत्र प्रस्तुत किए हैं, उन्हें चरणबद्ध तरीके से संचालन फिर से शुरू करने की अनुमति दी जाएगी। डॉन द्वारा प्रकाशित निर्णय के अनुसार, मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के किसी भी उल्लंघन के परिणामस्वरूप परिसर को तीन दिनों के लिए सील कर दिया जाएगा। डीसी-दक्षिण ने आगे चेतावनी दी कि हलफनामे प्रस्तुत करने के बाद, एसओपी के किसी भी बाद के उल्लंघन पर उल्लंघनकताओं के खिलाफ गिरफ्तारी और एफआईआर दर्ज की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि पिछले तीन दिनों में शहर के विभिन्न हिस्सों में स्थित 196 भोजनालयों को सील कर दिया गया है।

कराची आयुक्त सैयद हसन नकवी ने कहा कि अतिक्रमण विरोधी अभियान जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी दुकान या भोजनालय को फुटपाथ पर सामान या वस्तुएं रखने की अनुमति नहीं होगी। डॉन ने बताया कि उन्होंने आगे कहा कि इस अभियान का उद्देश्य फुटपाथों, सड़कों और सर्विस लेन पर बढ़ती बाधाओं की समस्या का समाधान करना है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर का 'मिशन यूरोप'

फ्रांस

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को लक्जमबर्ग के प्रधानमंत्री ल्यूक फ्रीडेन से मुलाकात की, जिसमें दोनों देशों के बीच प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। बैठक का विवरण सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंडिया-ईयू टाइज पर साझा किया गया। लक्जमबर्ग में हुई यह मुलाकात जयशंकर की यात्रा के दौरान फ्रांस में हुई मुलाकातों के बाद हुई। सोमवार को विदेश मंत्री ने पेरिस में अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (क्यूअ) के कार्यकारी निदेशक फातिह बिरोल से मुलाकात की, जहां तेल बाजार और परमाणु ऊर्जा सहित प्रमुख वैश्विक ऊर्जा मुद्दों पर चर्चा हुई।

एक्स पर उस मुलाकात का विवरण साझा करते हुए जयशंकर ने कहा कि आज सुबह क्यूअ के कार्यकारी निदेशक फातिह बिरोल से मिलकर खुशी हुई। वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य पर उनके आकलन और भारत की वृद्धि और विकास के लिए उनके समर्थन की मैं सराहना करता हूं। एक पोस्ट में इस बातचीत पर विचार करते हुए उन्होंने कहा कि चर्चा का केंद्र बिंदु विश्व में हो रहे परिवर्तनों और इस संदर्भ में भारत-फ्रांस सहयोग के महत्व पर था। विदेश मंत्रालय (MEA) के अनुसार, फ्रांस यात्रा के दौरान विदेश मंत्री फ्रांसीसी नेतृत्व से मुलाकात करेंगे और विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट के साथ चर्चा करेंगे।

ये बैठकें जयशंकर की फ्रांस और लक्जमबर्ग की छह दिवसीय आधिकारिक यात्रा का हिस्सा हैं। लक्जमबर्ग में उनकी गतिविधियों का मुख्य केंद्र विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करना है। इस यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी मुलाकात करेंगे। बिरोल ने सोशल मीडिया पर भी इस बैठक का वर्णन करते हुए कहा कि पेरिस में जयशंकर से "सौहार्दपूर्ण और सार्थक" चर्चा करके उन्हें "बहुत खुशी" हुई।

बातचीत के विषय को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, "हमने वैश्विक ऊर्जा मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें तेल बाजार, परमाणु ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिज शामिल हैं, साथ ही भारत की भारतीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का पूर्ण सदस्य बनने की दृढ़ प्रतिबद्धता पर भी बात की।

इधर अचानक अबू धामी में पहुंचे आर्मी चीफ

अमेरिका

जहां एक तरफ दुनिया भर में अमेरिका के वेनेजुएला पर किए गए एक्शन से गरमा गर्मी बढ़ गई है और दूसरी तरफ सऊदी और यूएई के बीच भी तनाव का माहौल देखा जा रहा इसी बीच भारतीय थल सेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी यूएई के दौरे पर पहुंचे। 5 जनवरी को उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई के थल सेना कमांडर मेजर जनरल यूसुफ मायूद सैयद अल हलामी से मुलाकात की। दोनों के बीच लंबी बातचीत हुई जिसमें दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को और मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। थल सेना प्रमुख की इस मुलाकात की जानकारी देते हुए भारतीय सेना के आधिकारिक एक्स हैंडल से पोस्ट करते हुए लिखा गया जनरल उपेंद्र द्विवेदी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ अपनी चल रही यूएई यात्रा के दौरान यूएई थल सेना के कमांडर मेजर जनरल स्टाफ यूनुस मायूस सैयद अल हलामी से मिले बातचीत में भारत और यूएई के बीच सकारात्मक सैन्य सहयोग प्रशिक्षण में तालमेल और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ ने थल सेना संग्रहालय का भी दौरा किया जहां उन्होंने यूएई थल सेना के समृद्ध इतिहास परंपराओं और सैन्य विरासत के बारे में जानकारी प्राप्त की। थलसेना प्रमुख की संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा खाड़ी क्षेत्र में बदल रहे घटनाक्रमों के बीच हो रही है, जिनमें यमन की स्थिति को लेकर यूएई और सऊदी अरब के बीच बढ़ता तनाव भी शामिल है। सेना ने कहा कि जनरल द्विवेदी और मेजर जनरल अल हलामी के बीच हुई बातचीत द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर केंद्रित थी।

मादुरो की 'शेरनी' ने ली अंतरिम राष्ट्रपति के तौर पर शपथ, फिर जो कहा, ट्रंप अब क्या करेंगे?

वेनेजुएला

वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति बन गई है जैसी रिंगेट शपथ के दौरान उनकी तरफ से बयान भी सामने आ गया। उन्होंने कहा कि मैं उस पीड़ा के साथ आई हूं जो हमारी मातृभूमि पर हुई अवैध सैन्य आक्रामकता के बाद वेनेजुएला के लोगों को झेलनी पड़ी है। उसके बाद डेल्सी चीन, रूस और ईरान के एंबेसडर से गले मिली। इसके अलावा अमेरिका को यह संदेश दिया कि ये देश हमारे साथ इस

वक्त खड़े हुए हैं क्योंकि ये तीनों देश जिनके इस वक्त हमने आपको जानकारी दी यह अमेरिका ने जो इस कारवाही को अंजाम दिया उसका विरोध कर चुके हैं और पिता की गिरफ्तारी के बाद असेंबली में माधुर के बेटे ने अपील की है आपने हम सभी को मजबूत बनाया हमारी मातृभूमि अच्छे हाथों तो आगे कहते हैं जल्दी हम वेनेजुएला में आपसे गले भी यहां पर मिलने वाले हैं। हालांकि भावुक भी वो हुए जो अमेरिका ने किया उसकी कड़ी तौर पर निंदा भी की गई।

डोनाल्ड ट्रंप ने साफ-साफ कहा है कि अगर उपराष्ट्रपति जिनको अंतरिम राष्ट्रपति वहां पर बनाया गया। अगर वह अमेरिका की बात नहीं मानेंगे तो आगे भी सैनिक कारवाई अमेरिका कर सकता है।

कलमा, सीने पर ग्रेनेड, अल्लाह के नाम पर जैश ने बच्चों को बारूद बना दिया!

पाकिस्तान

जैश की आतंकी साजिश का नया वीडियो सामने आया। बच्चों को आतंकी बनाने का यह वीडियो आया है। खबर तो यह भी है कि कट्टरपंथी का जो कोर्स है वो पूरा होने के बाद इनाम भी दिया जाएगा। यह कहा जा रहा था जैश के आतंकियों ने बच्चों को इनाम बांटे हैं। इस्लामिक आतंकवाद की ट्रेनिंग दी गई है बच्चों को और सिर्फ ट्रेनिंग नहीं दी गई। बल्कि उनको यह भी कहा गया कि आपका कोर्स पूरा हो जाएगा तो आपको इसके बदले इनाम दिया जाएगा। सोचिए छोटे-छोटे मासूम बच्चों को कैसे आतंकी दिल में शौक शहादत लेके कलमा पढ़ के और अल्लाह से मोहब्बत का दावा करके कहता है अल्लाह मैं आ रहा हूं जन्नत को सजा ले।

जैश और तहरीक ए तालिबान दोनों संगठन एक ही कट्टरपंथी सोच को मानते हैं और उनके तार पाकिस्तानी सरकार से जुड़े हैं। फर्क सिर्फ टारगेट चुनने का है। एक को भारत पर छोड़ा जाता है। दूसरा पाकिस्तान में ही खून बहाता है। कौन भूल सकता है जब टीटीपी के आतंकियों ने एक सैनिक स्कूल में घुसकर करीब 150 मासूम बच्चों को छलनी कर दिया था।

लेकिन पाकिस्तान में ऐसा होना आम बात है। वहां ऐसे लोगों के खिलाफ आवाज नहीं उठाई जाती है। समाज के समर्थन से आतंकी संगठन, मासूम बच्चों को आतंकवादी बनने का कोर्स करवाते हैं, उन्हें ब्रेनवॉश करते हैं और फिर देश और

दुनिया में सौ-दो सौ को लेकर फट जाने के लिए उन्हें छोड़ देते हैं।

जैश-ए-मोहम्मद के ट्रेनिंग कैंप का है। जहां एक लाइन में एक मुख्य आतंकी खड़ा है और उसके साथ 15-20 साल के दर्जनों बच्चे खड़े हैं। बैकग्राउंड में लाउडस्पीकर पर ऐलान हो रहा है कि जब मुजाहिद तलवार लेके, हाथ में बंदूक उठाके, सीने पर मैगजीन सजा के, ग्रेनेड लगाके, दिल में शौक-ए-शहादत लेके, कलमा पढ़ के, और अल्लाह के मोहब्बत का दावा करके जब कहता है, अल्लाह मैं आ रहा हूं, तुम्हारे जन्नत को सजाने।

उस वक्त जमीन भी कांपती है, आसमान भी झूम उठता है। कैसे सिखाया जा रहा है ब्रेन वाश बकायदा उनका किया जा रहा है और उसके बाद उन्हें इनाम दिया जाएगा यह भी घोषणा की गई छोटे-छोटे आठ मासूम बच्चों की तस्वीरें आप देखिए और इसमें बच्चों उनके दिमागों में कैसे जहर घोला जा रहा है। कैसी तकरीरें उसके उनके अंदर डाली जा रही है।

कट्टरपंथियों ने हिंदू महिला से किया गैंगरेप, फिर पेड़ से बांधा, काटे बाल, बांग्लादेश में शर्मनाक करतूत!

बांग्लादेश

बांग्लादेश से हिंदू महिला से हैवानियत का मामला विधवा महिला के साथ गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया गया। महिला को पेड़ से बांधकर पीटा गया। झिनाईदा जिले में यह वारदात हुई है। चार लोगों के खिलाफ हालांकि शिकायत दर्ज की गई है। हसन नाम

का आरोपी गिरफ्तार किया गया है। बांग्लादेश में 44 साल की एक हिंदू विधवा महिला से गैंगरेप का मामला सामने आया है। आरोप है कि दो स्थानीय युवकों ने महिला को पेड़ से बांधकर उसके साथ रेप किया और उनके बाल काट दिए। यह घटना शनिवार रात की बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़िता के अनुसार, करीब ढाई साल पहले उन्होंने शाहिन और उसके भाई से 20 लाख टका में एक दो मंजिला मकान और जमीन खरीदी थी। इसके बाद से ही शाहिन उस पर बुरी नजर रखने लगा था। घटना की रात महिला को इतनी यातनाएं दी गई कि वह बेहोश हो गई। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

हिंदू युवक की गोली मारकर हत्या

बांग्लादेश के जेस्सोर जिले में अज्ञात हमलावरों ने एक हिंदू व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी, जो एक समाचार पत्र के कार्यवाहक संपादक भी थे। स्थानीय मीडिया की खबरों में बताया गया है कि कारोबारी के सिर में तीन गोली मारने के बाद उनका गला रेत दिया गया। बांग्ला के दैनिक समाचार पत्र ह्यप्रथम आलोह्न के अनुसार मृतक की पहचान खुलना मंडल के जेस्सोर जिले के केशबपुर उपजिला स्थित अरुआ गांव निवासी 38 वर्षीय राणा प्रताप बैरागी के रूप में हुई है। दैनिक समाचार पत्र के अनुसार, बैरागी की मोनिरामपुर के कोपलिया बाजार में बर्फ बनाने की फैक्टरी थी। इसके अलावा वह नरैल से प्रकाशित होने वाले समाचार पत्र ह्यदैनिक बीडी खबर के कार्यवाहक संपादक भी थे।

बांग्लादेश के बाद नेपाल में भी हिन्दू निशाने पर!

भारत से सटे बीरगंज में हालात बेकाबू होने के बाद लगा कर्फ्यू

बांग्लादेश

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार की खबरें तो लगातार सामने आ ही रही हैं साथ ही अब नेपाल में बहुसंख्यक हिंदुओं को निशाना बनाये जाने की खबरें भी आने लगी हैं। हम आपको बता दें कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियोज में मुसलमानों को अपने घरों की छतों से हिंदुओं पर पत्थर बरसाते हुए देखा जा सकता है। हम आपको बता दें कि नेपाल के भारत से सटे सीमावर्ती शहर बीरगंज में इस समय हालात बेकाबू हो गये हैं। शहर के कई हिस्सों में तनाव, आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाओं के बाद प्रशासन को कर्फ्यू लागू करना पड़ा है। हम आपको बता दें कि यह इलाका भारत नेपाल सीमा के बेहद नजदीक है, जिस कारण हालात की गंभीरता और बढ़ गयी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पूरे विवाद की शुरूआत एक सोशल मीडिया वीडियो से हुई, जो टिकटॉक पर तेजी से वायरल हुआ। इस वीडियो में धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली सामग्री होने का आरोप लगाया गया, जिसके बाद स्थानीय समुदायों में भारी आक्रोश फैल गया। देखते ही देखते प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आये और मामला सांप्रदायिक तनाव में बदल गया।

हम आपको बता दें कि हालात तब और बिगड़ गये जब कुछ इलाकों में धार्मिक स्थलों के साथ तोड़फोड़ की खबरें सामने आयीं। इसके बाद प्रदर्शन हिंसक हो गये। दुकानों को नुकसान पहुंचाया गया, टायर जलाये गये और मुख्य सड़कों को जाम कर दिया गया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें भी हुईं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने बीरगंज के संवेदनशील इलाकों में

कर्फ्यू लागू कर दिया। पहले यह कर्फ्यू सीमित समय के लिये लगाया गया था, लेकिन हालात सामान्य न होने के कारण इसे बढ़ाना पड़ा। प्रशासन ने साफ किया कि कर्फ्यू के दौरान अनावश्यक आवाजाही पर सख्त कार्रवाई की जायेगी।

हम आपको बता दें कि कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि अगर हिंसा दोबारा भड़की तो और कठोर कदम उठाये जा सकते हैं। जरूरी सेवाओं को छूट दी गयी है, लेकिन आम नागरिकों से घरों में रहने की अपील की गयी है। उधर, बीरगंज की स्थिति का असर भारत नेपाल सीमा पर भी साफ दिख रहा है। सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गयी है और सुरक्षा एजेंसियां किसी भी संभावित खतरे को लेकर सतर्क हैं। दोनों देशों के अधिकारियों के बीच लगातार संपर्क बनाये रखा जा रहा है ताकि हालात नियंत्रण में रहें।

देखा जाये तो भारत नेपाल सीमा से सटे बीरगंज में भड़की हिंसा उस गहरी सामाजिक बेचैनी का नतीजा है जो पिछले कुछ वर्षों से नेपाल के भीतर लगातार पकती रही है। एक वायरल सोशल मीडिया वीडियो से शुरू हुआ विवाद, मस्जिद में तोड़फोड़, सड़कों पर उग्र प्रदर्शन और अंततः कर्फ्यू तथा सीमा सील होने तक की नौबत यह दिखाती है कि नेपाल आज किस नाजुक मोड़ पर खड़ा है। नेपाल लंबे समय तक एक घोषित हिंदू राष्ट्र रहा है। राजशाही काल में धार्मिक पहचान स्पष्ट थी, लेकिन सामाजिक संतुलन अपेक्षाकृत स्थिर था। मुसलमान, बौद्ध और अन्य समुदाय हिंदू बहुल समाज के साथ रहते आये और कभी बड़े पैमाने पर टकराव की घटना नहीं हुई। लेकिन राजशाही के अंत और धर्मनिरपेक्ष गणराज्य बनने के बाद नेपाल की पहचान एक तरह से अधर में लटक गयी।

बीरगंज का मामला बताता है कि धार्मिक भावनाएं अब तर्क से नहीं, उन्माद से संचालित हो रही हैं। सोशल मीडिया संवाद का माध्यम बनने की बजाय भीड़ को भड़काने का हथियार बन गया है। अफवाहें सत्य से ज्यादा तेज दौड़ती हैं और नफरत शांति को रौंदती चली जाती है। यह भी समझना जरूरी है कि यह आग अचानक नहीं लगी। नेपाल पिछले कुछ वर्षों से राजनीतिक अस्थिरता, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और पहचान की राजनीति से जूझ रहा है। जब शासन कमजोर होता है, जब जनता का भरोसा टूटता है, तब समाज के भीतर छिपी दरारें उभर कर हिंसा का रूप ले लेती हैं। धर्म ऐसे समय में सबसे आसान औजार बन जाता है। नेताओं के लिये भी और उकसाने वालों के लिये भी। बीरगंज में यही हुआ।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा